हिन्दी दैनिक

लखनऊ जंक्शन

RNI NO.-UPHIN/2015/64743 Email-lkojunction@gmail.com

वर्ष: 11 अंक: 93 लखनऊ, रविवार 16 नवंबर 2025 पृष्ठ: 04 मूल्य: 01 रूपये

जनजातीय समाज की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध है डबल इंजन सरकार : मुख्यमंत्री

बिरसा मुंडा जी की 'अपना देश- अपना राज' की अमर उद्घोषणा हर भारतीय के लिए प्रेरणा : मुख्यमंत्री

कोई भी पात्र जनजातीय परिवार सरकारी योजनाओं से वंचित नहीं रहेगा : मुख्यमंत्री

डबल इंजन सरकार में मिल रहा है जनजातीय समाज को सम्मान : मुख्यमंत्री

बीएनई

सोनभद्र/ लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनजातीय समाज के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की डबल इंजन सरकार विकास, सुरक्षा और सुशासन को साथ लेकर आगे बढ़ रही है और जनजातीय समाज को मुख्यधारा के विकास का अग्रणी भागीदार बनाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम कर रही है। 'धरती आबा' बिरसा मुंडा जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय बाहुल्य जनपद सोनभद्र के चोपन में आयोजित 'जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम' में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अवसर केवल स्मरण का नहीं, बल्कि जनजातीय गौरव को विकास से जोड़ने का है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'धरती आबा' बिरसा मुंडा जी का संदेश 'अबुआ देश, अबुआ राज' आज के नए भारत में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के रूप में प्रकट हो रहा है। डबल इंजन की सरकार जनजातीय समाज की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए उनके साथ कदम से कदम मिलाकर खड़ी है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भगवान बिरसा मुंडा के आदर्शों से प्रेरित होकर सोनभद्र और पूरे उत्तर प्रदेश का जनजातीय समाज राष्ट्र की एकता, सुरक्षा और समृद्धि के लिए अपनी सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा और विकास की मुख्यधारा में अग्रणी भागीदार बनेगा। 'धरती आबा' बिरसा मुंडा जी को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज से 150 वर्ष पहले 1875 में जन्मे धरती आबा ने मात्र 25 वर्ष की आयु में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जो संघर्ष छेड़ा, वह आज भी नए भारत के लिए मार्गदर्शक है। रांची जेल में यातनाओं के बीच उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया, ब्रिटिश हुकूमत को जनजातीय समुदाय के अधिकारों को स्वीकार करने के लिए झुकना पड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज स्वतंत्र भारत में वही संघर्ष जनजातीय समाज के सम्मान, हिस्सेदारी और विकास के रूप में आगे बढ़ रहा है और डबल इंजन की सरकार इस विरासत को न्यायपूर्ण नीतियों और ठोस कार्यों में बदल रही है। सोनभद्र की पावन धरती को उत्तर प्रदेश की ऊर्जा राजधानी, प्राकृतिक सौंदर्य और समृद्ध संसाधनों के अद्वितीय संगम की संज्ञा देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां आयोजित 'जनजातीय गौरव दिवस' कार्यक्रम में भारी संख्या में उपस्थित जनजातीय बहनों–भाइयों की सहभागिता, बदलाव की आकांक्षा और विश्वास का प्रतीक है। कार्यक्रम में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के वंशजों को सम्मानित किया गया और वन अधिकार कानून के अंतर्गत जनजातीय परिवारों को जमीन के पट्टे सौंपे गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सोनभद्र को 548 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात दी गई है, जो कनेक्टिविटी से लेकर बुनियादी सुविधाओं तक, जनपद के समग्र विकास की नई दिशा तय करेंगी। इस अवसर पर सोनभद्र के पर्यटन स्थलों पर आधारित पुस्तिका तथा मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर की कुलपति द्वारा लिखित 'धरती आबा बिरसा मुंडा' पर आधारित पुस्तक का विमोचन भी किया गया। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण–पत्र भी वितरित किए। इस अवसर पर 'मिशन शक्ति' के अंतर्गत महिला पुलिसकर्मियों के लिए 25 स्कूटी को हरी झंडी दिखाई। 'जनजातीय गौरव दिवस' के इस विशेष अवसर पर अरुणाचल प्रदेश के जनजातीय समूह द्वारा याक नृत्य, छत्तीसगढ़ के सरगुजा जनजातीय समूह तथा सोनभद्र के करमा नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारत की बहुरंगी जनजातीय संस्कृति को मंच पर जीवंत कर दिया। सोनभद्र की विशेषता पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल ऊर्जा राजधानी नहीं, बल्कि मानव इतिहास और प्रकृति की अद्भुत धरोहर का भी केंद्र है। सलखन फॉसिल पार्क में 140 करोड़ वर्ष पुराने जीवाश्मों के अवशेष विश्व समुदाय के लिए अद्वितीय आकर्षण हैं और यूनेस्को द्वारा इसे विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया जाना सोनभद्र की वैश्विक पहचान को मजबूत करता है। शिवद्वार पंचमुखी महादेव, ज्वालामुखी शक्तिपीठ, हाथी नाला और बायोडायवर्सिटी पार्क जैसे धार्मिक और प्राकृतिक स्थल यहां स्पिरिचुअल और इको–टूरिज्म की अपार संभावनाओं को उजागर करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पाई जाने वाली 15 जनजातियों में से 14 जनजातियां अकेले सोनभद्र में निवास करती हैं और यहां 4 लाख से अधिक जनजातीय बहन–भाइयों का जीवन मानव उद्गम और सभ्यता के इतिहास से जुड़ी एक जीवंत विरासत है। जनजातीय गौरव के संरक्षण के लिए डबल इंजन सरकार की पहलों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बलरामपुर जनपद के इमलिया कोडर में जनजातीय संग्रहालय और छात्रावास की स्थापना की जा चुकी है तथा इसी प्रकार का 'जनजातीय गौरव संग्रहालय' इस कमिश्नरी क्षेत्र में भी स्थापित किया जाएगा, ताकि जनजातीय समाज की कला, लोकवाद्य, जीवनशैली और परंपराओं को संरक्षित कर अगली पीढ़ियों को प्रेरणा दी जा सके। सोनभद्र में आयोजित प्रदर्शनी में जनजातीय समाज से जुड़े वाद्ययंत्रों, लोकसामग्री और सांस्कृतिक प्रतीकों का प्रदर्शन इसी दृष्टि का प्रमाण है। जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ की गई 'पीएम जन मन योजना' के अंतर्गत 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' उत्तर प्रदेश के जनजातीय बहुल 517 गांवों में बुनियादी सुविधाओं और समग्र विकास का नया अध्याय लिख रहा है। प्रदेश में लगभग 11 लाख की जनजातीय आबादी सोनभद्र, चंदौली, मिर्जापुर, चित्रकूट, बलरामपुर, लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती, बहराइच सहित विभिन्न जनपदों में निवास करती है और इन सभी क्षेत्रों में योजनाओं को संतृप्तिकरण के लक्ष्य के साथ लागू किया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र परिवार योजना से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि वन अधिकार कानून में सुधार के बाद जहां पूर्ववर्ती सरकारें निर्णय लेने से बचती रहीं और जनजातीय समुदाय का शोषण होता रहा, वहीं वर्तमान सरकार ने स्पष्ट नीति अपनाते हुए वास्तविक दावेदारों को वन भूमि के पट्टे देने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के कार्यक्रम में 1,000 से अधिक जनजातीय परिवारों को वन अधिकार पट्टे सौंपे गए हैं और इससे पहले 23,000 से अधिक पट्टे स्वीकृत किए जा चुके हैं। इससे जनजातीय परिवारों को न केवल भूमि पर मालिकाना हक मिला है, बल्कि दशकों पुराना भय और उत्पीड़न का चक्र भी टूट रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता है कि हर जनजातीय परिवार के पास जमीन का पट्टा, सुरक्षित आवास, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत का कार्ड, घर में शौचालय और पात्रता के अनुसार वृद्धावस्था या निराश्रित महिला पेंशन जैसी सामाजिक सुरक्षा की सुविधाएं हों। बच्चों के लिए आंगनबाड़ी से लेकर स्कूल तक सुदृढ़ व्यवस्था, और किसानों के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना, प्रधानमंत्री कुसुम योजना, साथ ही आवास, ऊर्जा, वित्तीय समावेशन और स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं का लाभ पात्र परिवारों तक संतृप्त रूप से पहुंचाया जा रहा है। शिक्षा और स्किल डेवलपमेंट के क्षेत्र में सोनभद्र को मॉडल के रूप में पेश करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित किया गया है, जो पूर्णतया आवासीय है और जिसमें 240 छात्र–छात्राएं (120 बालक, 120 बालिकाएं) आधुनिक शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों के लिए विकासखंड रॉबर्ट्सगंज में राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय, विकासखंड नगवा में आश्रम पद्धति बालिका विद्यालय तथा अनुसूचित जाति–जनजाति की छात्राओं हेतु रॉबर्ट्सगंज में राजकीय छात्रावास का निर्माण कराया जा रहा है। जनपद में चार पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय संचालित हैं, जिनमें से तीन बालकों और एक बालिकाओं के लिए हैं। उन्होंने कहा कि सोनभद्र के सभी विकासखंडों में कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय संचालित हैं, जिन्हें कक्षा 6 से 8 तक के बजाय अब कक्षा 12 तक के लिए विस्तारित कर दिया गया है, ताकि बालिकाओं को एक ही परिसर में सुरक्षित आवासीय सुविधा और निरंतर शिक्षा का अवसर मिल सके। 'अभ्युदय' कोचिंग जैसी पहलें जनजातीय और वंचित तबके के प्रतिभाशाली युवाओं को नीट और आईआईटी–जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाने में सहायक साबित हो रही हैं। बीओसीडब्ल्यू बोर्ड से जुड़े श्रमिकों के बच्चों और अपने कानूनी अभिभावक को खो चुके बच्चों के लिए सोनभद्र में अटल आवासीय विद्यालय का संचालन भी किया जा रहा है, जो सामाजिक न्याय और संवेदनशील शासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जनजातीय युवा शक्ति को स्थानीय संसाधनों से जोड़ते हुए मुख्यमंत्री ने सोनभद्र की वन संपदा और औषधीय पौधों के भंडार का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इको–टूरिज्म की दृष्टि से क्षेत्र के विकास के साथ–साथ यहां के जनजातीय युवाओं को प्रशिक्षित टूरिस्ट गाइड के रूप में तैयार किया जा रहा है। परंपरागत जनजातीय वैद्य, औषधि और जड़ी–बूटी विशेषज्ञों को प्रोत्साहित कर स्थानीय उत्पादों के प्रचार–प्रसार और वन औषधियों के संग्रहण की स्वतंत्रता दी गई है, ताकि जनजातीय परिवारों की आय में वृद्धि हो और उनकी पारंपरिक ज्ञान–संपदा भी सुरक्षित रहे। विकास परियोजनाओं का विस्तृत उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सोनभद्र, उत्तर प्रदेश की ऊर्जा राजधानी के रूप में नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। ओबरा स्थित उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम की इकाई में 1,320 मेगावाट की नई पावर परियोजना स्थापित की गई है, जिसकी लागत 13,005 करोड़ रुपये से अधिक है। इससे प्रदेश की ऊर्जा क्षमता बढ़ने के साथ–साथ हजारों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न हुए हैं। कनहर सिंचाई परियोजना पर 3,394 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से कार्य हो रहा है, जिससे रॉबर्ट्सगंज, दुद्धी और ओबरा विधानसभा क्षेत्रों के 108 गांवों के 53,000 से अधिक कृषक परिवारों को लगभग 35,467 हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। जल जीवन मिशन के अंतर्गत 'हर घर नल' योजना के माध्यम से 36,649 घरों को पेयजल से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से अधिकांश परिवारों तक नल कनेक्शन पहुंच चुके हैं और शत–प्रतिशत संतृप्तिकरण की दिशा में तेजी से कार्य चल रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए सोनभद्र में पहली बार एक राजकीय मेडिकल कॉलेज का निर्माण पूरा किया गया है और यहां प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। जिला चिकित्सालय को 500 बेड के अस्पताल में विकसित किया गया है, ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं समय पर मिल सकें। निवेश और रोजगार के मोर्चे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अकेले सोनभद्र के लिए 25,981 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जो हजारों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर और स्थानीय अर्थव्यवस्था के विस्तार का संकेत हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 80,516 आवास, शहरी क्षेत्र में 11,411 आवास और मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 23,973 परिवारों को आवास उपलब्ध कराए गए हैं। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 3,51,772 ग्रामीण परिवारों और 4,996 शहरी लाभार्थियों को घर–घर शौचालय प्रदान किए गए हैं, जबकि 669 सामुदायिक शौचालयों का निर्माण भी कराया गया है। ऊर्जा सुरक्षा और महिलाओं के सशक्तिकरण के दृष्टिकोण से मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 2,51,000 से अधिक लाभार्थियों को मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन दिए गए हैं और उत्तर प्रदेश सरकार दीपावली तथा होली पर निःशुल्क रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराकर परिवारों को अतिरिक्त आर्थिक राहत दे रही है। सोनभद्र में 6,50,000 से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए गए हैं, जिससे गंभीर बीमारी की स्थिति में गरीब परिवारों को निशुल्क उपचार की सुविधा मिली है। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 8,000 से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को सस्ती ऋण सुविधा दी गई है। अटल पेंशन योजना के 1,08,324, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के 6,86,087 और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के 3,49,796 लाभार्थी सामाजिक सुरक्षा की मजबूत छतरी के दायरे में आए हैं। प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत 8,30,570 बैंक खाते खोले गए हैं, जबकि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 1,38,393 लाभार्थियों को 893 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण प्रदान किया गया है। स्वामित्व योजना के अंतर्गत 9,000 से अधिक परिवारों को अपने आवासीय भूखंडों के स्वामित्व के दस्तावेज दिए गए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत 2,35,573 किसानों को अब तक 712 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है और पीएम कुसुम योजना के तहत 2,646 किसानों को सोलर पैनल उपलब्ध कराए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत सोनभद्र में 8,324 बेटियों का विवाह सम्मानजनक ढंग से संपन्न कराया गया है। 75,709 वृद्धजन, 26,432 निराश्रित महिलाएं और 11,017 दिव्यांगजन प्रति वर्ष 12,000 रुपये की पेंशन सुविधा प्राप्त कर रहे हैं। 'बीसी सखी' जैसी पहलों के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाएं गांव–गांव तक बैंकिंग और सरकारी योजनाओं की सुविधाएं पहुंचा रही हैं, जिससे ग्राम स्तर पर आर्थिक गतिविधि और जागरूकता दोनों बढ़ी हैं। कार्यक्रम के दौरान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के वंशजों को सम्मानित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वन अधिकार पट्टों का वितरण केवल कागजी औपचारिकता नहीं, बल्कि इतिहास के ऋण से मुक्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सोनभद्र के लिए आज 532 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं, जनजातीय समुदाय के लिए चलाई जा रही शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, आजीविका और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को उन्होंने समग्र विकास के रोडमैप का हिस्सा बताया। गत दिवस घोषित बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश और बिहार साझा संस्कृति, साझा विरासत और साझा संकल्प के प्रतीक हैं। प्रभु राम और माता जानकी के पवित्र संबंध की तरह दोनों राज्यों का रिश्ता भी अटूट और सुदृढ़ है। वहां की जनता ने लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेकर यह संदेश दिया है कि विकास, सुशासन और स्थिरता के लिए डबल इंजन की सरकारों पर विश्वास लगातार बढ़ रहा है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रहित व विकास की नीतियों को जनता का सशक्त समर्थन प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव गोंड ने मुख्यमंत्री को जनजातीय समाज की पहचान 'तीर–धनुष', वाद्य यंत्र 'मांदर' और पारंपरिक टोपी भेंट की। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सदस्य विधान परिषद चौधरी भूपेन्द्र सिंह, प्रभारी मंत्री रविन्द्र जायसवाल, समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लोकार्पित प्रमुख परियोजनाएं : घोरावल–शिल्पी–कोड़ारी मार्ग स्थित सोन नदी के कोलियां घाट पर सेतु, बलुई–मीतापुर मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, उरमौरादृराजपुर रोड वाया बसौली–बहुआर–रघुनाथपुर –सिन्दूरी मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, 48वीं वाहिनी पीएसी में 200 व्यक्तियों की क्षमता वाली बैरक तथा पुलिस लाइन में 150 पुलिसकर्मियों हेतु हॉस्टल/बैरक निर्माण। जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई : जिला ग्राम्य विकास संस्थान का आवासीय/ अनावासीय भवन, नवीन समेकित विशेष माध्यमिक विद्यालय, घोरावल–कोहरथा–शिवद्वार मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, नवसृजित तहसील ओबरा में आवासीय भवन, थाना जुगैल में टाइप–ए के 3 तथा टाइप–बी के 23 आवास, नगर पालिका परिषद सोनभद्र में कल्याण मंडप।

संक्षिप्त समाचार

पुष्कर सिंह धामी बोले, देश में जहां भी चुनाव हो रहे हैं, 'डबल इंजन' लग रहा है

एजेंसी

देहरादून। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की शानदार जीत के एक दिन बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को कहा कि देश में चुनावों के बाद सभी जगह 'डबल इंजन' लग रहा है क्योंकि जनता उसी को सत्ता में ला रही है जो काम कर रहा है। धामी ने यहां देहरादून लिटरेचर फेस्टिवल में वेनु अग्रहरि धींगड़ा की पुस्तक 'लीडिंग लेडीजकृद न्यू वेव ऑफ फीमेल पालिटीशियन्स इन इंडिया' के विमोचन के मौके पर कहा कि धरातल पर होने वाला काम दिखाई देता है।

छत्तीसगढ़ में जनजातीय गौरव दिवस पर बोले सीएम साय

जनजातीय समुदाय के समग्र विकास के लिए सरकार पूरी तरह संकल्पित

एजेंसी

जगदलपुर। जगदलपुर के सिटी ग्राउंड में आज जनजातीय गौरव दिवस का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के इस पावन अवसर पर विभिन्न जनजातीय समाजों ने पारंपरिक सिहाड़ी माला, साफा और गजमाला पहनाकर मुख्यमंत्री का हार्दिक स्वागत किया, जिससे पूरा माहौल सांस्कृतिक उल्लास से भर उठा। मुख्यमंत्री साय ने मां दंतेश्वरी, भगवान बिरसा मुंडा और अन्य जनजातीय देवी–देवताओं की पूजा–अर्चना कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन जनजातीय समुदाय के समग्र उत्थान के लिए पूरी तरह संकल्पित है। उन्होंने जनजातीय हितों के लिए उठाए गए ऐतिहासिक कदमों का उल्लेख करते हुए बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने जनजातीय बहुल राज्यों छत्तीसगढ़ और झारखंड का गठन किया। उनके कार्यकाल में ही जनजातीय कार्य मंत्रालय की स्थापना हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर को 'जनजातीय गौरव दिवस' घोषित कर जनजातीय नायकों के सम्मान का ऐतिहासिक निर्णय लिया। मुख्यमंत्री ने धरती आबा बिरसा मुंडा के अदम्य संघर्ष को याद करते हुए कहा कि 19वीं सदी में बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों और शोषकों के खिलाफ उलगुलान की शुरुआत कर आदिवासी पहचान, भूमि अधिकार और स्वाभिमान की रक्षा का बिगुल फूंका। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा जैसे महापुरुषों के कारण जनजातीय समाज में चेतना, एकता और आत्मसम्मान की अलख जगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार जनजातीय समुदाय के शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सांस्कृतिक संरक्षण के लिए दृढ़ता से काम कर रही है। उन्होंने बस्तर के लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी प्रगति को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप ने जनजातीय नायकों के संघर्ष को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का आह्वान किया। जगदलपुर विधायक किरण देव ने गुंडाधुर, डेबरीधुर, गेंदसिंह जैसे बस्तर के जननायकों के बलिदान को याद किया। जनजातीय गौरव समाज के संभागीय अध्यक्ष तुलूराम कश्यप ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर सांसद महेश कश्यप, विधायक विनायक गोयल, महापौर संजय पांडे और बड़ी संख्या में जनजातीय समाज के लोग मौजूद रहे। प्रशासन की ओर से आईजी सुंदरराज पी, कलेक्टर हरिस एस, एसपी शलभ सिन्हा सहित अधिकारी उपस्थित थे।

मायावती को बड़ा झटका, यूपी की तरह बिहार में भी सिर्फ एक ही सीट पर सिमटी बसपा, 191 पर मिली करारी हार

संवाददाता

लखनऊ। बिहार विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती को एक बार फिर निराशा हाथ लगी है। बिहार में बसपा को केवल एक सीट पर विजय मिली है जिसने पार्टी को सोचने पर मजबूर कर दिया है। बिहार में रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में बसपा के सतीश कुमार सिंह यादव और भाजपा के अशोक कुमार सिंह के बीच कांटे की टक्कर में, बसपा उम्मीदवार ने अपने प्रतिद्वंद्वी से मात्र 30 वोटों से जीत हासिल की। इस बार बिहार में बसपा ने जिन 192 सीटों पर चुनाव लड़ा, उनमें से रामगढ़ एकमात्र सीट है जिस पर उसने जीत हासिल की। सतीश यादव को 72,689 वोट मिले, जबकि भाजपा उम्मीदवार को 72,659 वोट मिले। हालांकि मतगणना के दिन यादव शुरू से

ही बढ़त बनाए हुए थे, लेकिन अंतर कम होता गया। मतगणना के दूसरे–आखिरी दौर तक, यादव केवल 175 वोटों से आगे थे। इस सीट का अंतिम परिणाम शुक्रवार देर रात घोषित किया गया क्योंकि मतगणना का आखिरी दौर असामान्य रूप से लंबा चला। दरअसल, रामगढ़, बक्सर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत एक सीट है और यहाँ बसपा का मामूली अंतर से हारने का इतिहास रहा है, कम से कम पिछले दो विधानसभा चुनावों (2015 और 2020) और 2024 के एक उपचुनाव में भी। 2020 में, बसपा राजद से केवल 189 वोटों से हारी थी। 2024 के उपचुनावों में वह भाजपा से 1,284 वोटों से हारी जबकि 2015 में बसपा इस सीट पर तीसरी सबसे मजबूत पार्टी थी।

संपादकीय

फिर राजग का बिहार

बेहद जटिल सामाजिक परिस्थितियों वाले देश के बड़े राज्य बिहार का महासंग्राम आखिरकार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने जीत ही लिया। एनडीए ने बिहार में विपक्ष के महागठबंधन को करारी शिकस्त दी है। यह जीत पिछले साल महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति गठबंधन द्वारा महाविकास अघाड़ी को करारी शिकस्त देने जैसी ही है। चौंकाने वाली बात यह है कि बिहार में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और उसने उस राज्य में अपनी स्थिति मजबूत की है, जहां अभी तक उसका अपना मुख्यमंत्री नहीं रहा है। बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जनता दल यूनाइटेड यानी जदयू ने तमाम मुश्किलों को पार करते हुए सम्मानजनक दूसरा स्थान हासिल किया है। चुनाव से पहले नीतीश कुमार महागठबंधन के नेताओं के निशाने पर थे। उन्हें थका हुआ, बीमार और रिटायर होने वाला राजनेता बताया जा रहा था। कहा जा रहा था कि भाजपा ने नीतीश कुमार को पार्टी के मुख्यमंत्री के चेहरे के रूप में पेश नहीं किया। नीतीश कुमार के जो आलोचक उनकी विदाई लेख लिखने की जल्दी में थे, उन्हें चुनाव परिणामों के बाद मुंह की खानी पड़ रही है। जनता के फैसले ने बीते 2020 के विधानसभा चुनाव मे सबसे ज्यादा सीटें जीतने वाले राष्ट्रीय जनता दल यानी राजद को इस बार तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। बहरहाल, इस विधानसभा चुनाव के एकतरफा नतीजों का एक निष्कर्ष यह भी है कि सत्ता के लिये भाजपा व जदयू को एक साथ ही रहना होगा। जैसे कि नीतीश के पाला बदलने के चलते उन्हें पलटू राम की संज्ञा दी जाती थी, उसकी संभावना अब नजर नहीं आती। यानी नीतीश कुमार अब पलटू राम वाले अंदाज में नहीं चल सकते। उन्हें इस बात की तसल्ली मिल सकती है कि भारतीय जनता पार्टी, जिसके पास लोकसभा में पूर्ण रूप से बहुमत नहीं है, वह केंद्र में सरकार बचाने के लिये भविष्य में जदयू पर निर्भर रहेगी। दरअसल, राजनीतिक पंडित कयास लगाते रहे हैं कि नीतीश कुमार को किनारा करने की भगवा पार्टी की कोई भी कोशिश सत्तारूढ़ गठबंधन के लिये मुश्किल खड़ी कर सकती है। वहीं कहा जाता रहा है कि चिराग पासवान एनडीए की कमजोरियों का फायदा उठाने से नहीं हिचकिचाएंगे। हालांकि, भाजपा नीतीश कुमार को बाहर करने के प्रलोभन का ज्यादा देर विरोध नहीं कर पाएगी, जैसा उसने महाराष्ट्र में शिवसेना के एकनाथ शिंदे के साथ किया था। बहरहाल, एक बात तो तय है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत ने महागठबंधन को तार–तार कर दिया है। साथ ही पदयात्रा व अपने बयानों से सुर्खियों में रहने वाले प्रशांत किशोर की नई सुबह की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। बिहार चुनाव में पस्त हुए महागठबंधन के दलों के सामने अगले साल विपक्ष शासित राज्य पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले फिर से संगठित होने की एक बड़ी चुनौती होगी। ये वे तीन विपक्षी दुर्ग हैं जिनमें सत्ता हासिल करने के लिये भारतीय जनता पार्टी कोई कसर नहीं छोड़ेगी। बहरहाल, एक बात तो माननी पड़ेगी बिहार में राजग की अप्रत्याशित जीत सारथी नरेंद्र मोदी की छवि, गृहमंत्री अमित शाह की नीति–कूटनीति, भाजपा के मजबूत संगठन, नीतीश कुमार की सामाजिक कल्याण की नीतियों की देन है। वहीं ऐन चुनाव से पहले एकजुट हुए महागठबंधन की विसंगतियां ही उसके पराभाव का कारक बनी। बहरहाल, राजग की महिलाओं को आर्थिक संबल की घोषणाओं, नीतीश की शराबबंदी आदि नीतियां महिला मतदाताओं को रिझाने में कामयाब रही हैं। यही वजह है कि महिला मतदाताओं ने इस विधानसभा चुनाव में बढ़–चढ़कर मतदान किया। यह प्रतिशत बिहार के मतदान इतिहास में रिकॉर्ड बनाने वाला था और चुनाव परिणाम भी उतने ही अप्रत्याशित रहे। बहरहाल, एक बार फिर जनतंत्र की भूमि ने अप्रत्याशित चुनाव परिणामों से देश को चौंकाया है। चुनाव परिणाम सामने आने के बाद दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा नरेंद्र मोदी ने कहा भी कि जिस एमवाई समीकरण को विपक्ष ने संकीर्णताओं के साथ पेश किया था, भाजपा ने उस एमवाई समीकरण को सकारात्मक दृष्टि से महिला व युवा गठजोड़ में तब्दील कर दिया।

राशिफल

मेष :– मन पर नियंतग्ररख अपने कर्त्तव्यों के निर्वहन में केंद्रित हों। स्थिति व समय के साथ समझौतावादी रवैया अपनाएं। विद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी।

बृषभ :– पुरानी बातों को भूल वर्तमान के साथ समझौता करें। निर्थक छोटी–छोटी बातों को लेकर परिवार में तनाव संभव। प्रणय संबंध के प्रति केंद्रित मन परिजनों के विरोध से दुखित होगा।

मिथुन :– उच्च मनोबल के साथ कुछ साहसी कार्यों में हाथ डालेंगे। विरोधियों की सक्रियता अपेक्षित है। अतः सावधान रहें। किसी अचल सम्पत्ति को लेने की योजना बन सकती है।

कर्क :– आर्थिक क्षेत्र में कुछ नई योजनाओं को सार्थक करेंगे। कोई व्यक्तिगत संबंध परिवार में विवाद का कारण बन सकता है। प्रणय संबंधों को लेमर मन चिंतित होगा। आलस्य का त्याग करें।

सिंह :– गुणवत्ता एवं बुद्धिमत्ता से समस्याओं के समाधान में सक्षम होंगे। उत्साह पूर्वक नई योजनाओं में सक्रियता बढ़ेगी। परिवार को कुशलता से चलाने में आपका विशेष योगदान होगा।

कन्या :– पारिवारिक समस्याएं बार–बार परेशान करेंगी किंतु ऐसे स्थिति में स्वविवेक सहायक सिद्ध होगा। भविष्य संबंधित कुछ चिंताएं मन को प्रभावित करेंगी। परिवार में खुशहाल माहौल रहेगा।

तुला :– किसी कार्य में सफलता से उत्साहित होंगे। कार्यक्षेत्र में थोड़ा सरल व समझौतावादी बने रहने का प्रयत्न करें। परिवार में किसी सदस्य की अस्वस्थता से मन परेशान होगा।

वृश्चिक :– किसी महत्वपूर्ण कार्य की सार्थकता के लिए मन प्रयत्नशील होंगे। नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में मन असमर्थ होंगे। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

धनु :– पुरानी घटनाओं से मन ओतप्रोत होगा। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन में चिंता संभव। भविष्य के प्रति नकारात्मक विचार उत्साह में कमी ला सकते हैं। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता बरतें।

मकर :– पूर्वाग्रहवश मन में किसी प्रकार की शंका न पालें। गलतियों को स्वीकारते हुए सगे–संबंधों में क्षमायाचक बने और शांत भाव से अच्छे कायरे द्वारा उसका प्राश्चित भी करें।

कुंभ :– आप सृजनात्मक विचारों का भरपूर लाभ उठाएंगे। स्वाभिमानी स्वभाव से लोकप्रिय होंगे। शासन–सत्ता का लाभ मिलेगा। जीवन साथी के प्रति मधुरता बनाये रखें। आलस्य न करें।

मीन :– नकारात्मक विचारों को त्याग अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखें। बीते हुए एवं आने वाले कल के बारे में सोचना छोड़ वर्तमान में जीने का प्रयत्न करें। जीवन साथी के स्वास्य को लेकर मन चिंतित होगा।

मनोरंजन ऐप्स की अंधी दौड़ और बढ़ती अश्लीलता

–डॉ सत्यवान सौरभ

डिजिटल क्रांति ने जिस तेज़ी से दुनिया को बदला है, उतनी ही तीव्रता से उसने हमारे मनोरंजन के साधनों को भी प्रभावित किया है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और सस्ते डेटा ने मनोरंजन को घरों से निकलकर सीधा हर व्यक्ति की जेब और हाथों तक पहुँचा दिया है। आज सैकड़ों एंटरटेनमेंट ऐप्सकृवेब सीरीज़, शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया स्ट्रीमिंग और लाइव शोकृहर सेकंड दर्शकों का ध्यान खींचने की होड़ में हैं। यह सुविधा जितनी शानदार लगती है, उतनी ही गहरी चिंताओं को भी जन्म देती है। क्योंकि इसी आसानी ने मनोरंजन की परिभाषा को खतरनाक रूप से बदल दिया है। अब मनोरंजन का अर्थ कला, संस्कृति, कहानी या संवेदनशीलता नहीं रह गया हैकृबल्कि तेज़ व्यूज़, वायरल कंटेंट और उत्तेजक दृश्यों की अंधी प्रतिस्पर्धा बन गया है। आज स्थिति यह है कि अनेक ऐप्स जान–बूझकर अश्लीलता, फूहड़ हरकतों, भद्दे संवादों और उत्तेजक दृश्यों को परोस रहे हैं। यह सामग्री न तो किसी रचनात्मकता की मिसाल है और न ही इससे समाजिक चेतना का विस्तार होता है। इसके पीछे केवल एक लक्ष्य हैकृतेज़ी से अधिक दर्शक, और इन दर्शकों के माध्यम से विज्ञापन व सब्सक्रिप्शन से होने वाला मुनाफ़ा। मनोरंजन उद्योग ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहाँ कला और संस्कृति की प्रतिष्ठा आर्थिक लालच के सामने निरर्थक होती जा रही है। कभी भारतीय सिनेमा, थियेटर और साहित्य समाज के जीवन–मूल्यों को सहेजने का माध्यम माने जाते थे। कहानी, संवाद, अभिनय और कल्पना की शक्ति दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती थी। आज डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स ने इसका बिल्कुल उल्टा माहौल तैयार कर दिया है। वेब सीरीज़ और शॉर्ट वीडियो में आपत्तिजनक भाषा, निर्बाध अश्लीलता और अनावश्यक अंतरंग दृश्यों को ऐसे दिखाया जा रहा है जैसे यही "आधुनिकता" या "यथार्थवाद" हो। जबकि सच्चाई यह है कि यह यथार्थ नहीं, बल्कि एक जानबूझकर पैदा किया गया भ्रम हैकृजिसमें दर्शक को उत्तेजना व सनसनी के माध्यम से बांधकर रखा जाए। इस दौड़ की सबसे बड़ी कीमत युवा पीढ़ी चुका रही है। किशोरों के हाथ में मोबाइल है और मोबाइल के अंदर ऐसी दुनिया है जो बिना किसी रोक–टोक के उन्हें प्रभावित कर रही है। किशोरावस्था वह समय होता है जब व्यक्तित्व, सोच, नैतिकता और सामाजिक मूल्य बनते हैं। लेकिन इन ऐप्स पर उपलब्ध सामग्री उन्हें तेज़–तर्रार, उथला और अक्सर भ्रमित कर देने वाला दृष्टिकोण देती है। संबंधों के प्रति गलत धारणाएँ बनती हैं, महिलाओं के प्रति सम्मान घटता है, और जीवन को केवल शारीरिक आकर्षण, भौतिकता और दिखावे के रूप में समझने की प्रवृत्ति बढ़ती है। आज का युवा जिस प्रकार की सामग्री रोज़ देख रहा है, वह उसके व्यवहार, शब्दों, संवेदनाओं और जीवन के आकलन को धीरे–धीरे बदल रही है। जिस चीज़ को वह "मनोरंजन" या "ट्रेंड" समझ रहा है, वह वास्तव में उनके भीतर मूल्यहीनता और अवसाद पैदा कर रही है। कई मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि इस प्रकार का कंटेंट आँखों को आकर्षित भले करे, लेकिन दिमाग पर भारी बोझ डालता है। तेज़दृतेज़ दृश्यों, अश्लील संवादों, अनियंत्रित भावनाओं और आक्रामक प्रस्तुतियों से किसी भी किशोर का मानसिक संतुलन प्रभावित होना स्वाभाविक है। लेकिन समस्या का एक और पहलू भी हैकृकंटेंट निर्माता और ऐप कंपनियाँ ज़िम्मेदारी से बचने के लिए 'यूज़र चॉइस', 'एडल्ट टैग' या 'व्यूअर डिस्क्रेशन' जैसे शब्दों का सहारा लेती हैं। वे यह कहती हैं कि दर्शक स्वयं चयन करें कि वे क्या देखना चाहते हैं। यह तर्क पूरी तरह गलत नहीं, लेकिन अधूरा अवश्य है। क्योंकि जब कोई ऐप अपनी पूरी मार्केटिंग रणनीति ही उत्तेजक और भड़काऊ सामग्री पर आधारित रखता है, तब दर्शक का चुनाव स्वतंत्र कम और प्रभावित अधिक होता है। जिस सामग्री को लगातार प्रमोट किया जाएगा, वही अधिक देखी जाएगी। नियामक तंत्र की स्थिति भी उतनी ही कमज़ोर है। भारत में फिल्मों के लिए सेंसर बोर्ड है, टीवी के लिए प्रसारण नियंत्रण है, लेकिन डिजिटल ऐप्स लगभग बिना किसी प्रभावी नियंत्रण के चल रहे हैं। दिशा–निर्देश तो बनाए गए हैं, पर उनका पालन न तो कठोर है और न ही नियमित। डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म्स को लगता है कि वे आम मीडिया कानूनों से ऊपर हैं। उनका तर्क है कि इंटरनेट एक "स्वतंत्र माध्यम" है। लेकिन क्या स्वतंत्रता का अर्थ यह है कि समाजिक संतुलन को बिगाड़ने वाली सामग्री को खुली छूट दे दी जाए? क्या संस्कृति, नैतिकता और संवेदनाओं को नज़रअंदाज़ कर देना ही स्वतंत्रता है? समस्या का एक सामाजिक आयाम भी है। परिवार अपने स्तर पर बच्चों को रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन डिजिटल दुनिया की जटिलता इतनी है कि पूरी तरह नियंत्रण लगभग असंभव है। विशेषकर मध्यम वर्गीय और ग्रामीण परिवारों में डिजिटल साक्षरता अभी विकसित नहीं हुई है। माता–पिता यह नहीं जानते कि कौन–सा कंटेंट बच्चों के लिए अच्छा है और कौन–सा हानिकारक। ऐप कंपनियाँ भी माता–पिता को मार्गदर्शन देने के बजाय उनका उपयोगकर्ता विस्तार करने में अधिक रुचि रखती हैं। ऐसे समय में हमें यह समझना होगा कि समाधान केवल प्रतिबंधों में नहीं है। समाधान एक व्यापक सामाजिक जागरूकता, नैतिक उत्पादन नीति और कड़े नियमन के संतुलन में है। मनोरंजन कंपनियाँ स्वयं यह तय करें कि क्या दिखाना उचित है। वे कला और व्यावसायिकता के बीच संतुलन बनाएं। अश्लीलता के सहारे व्यूज़ पाने की आदत छोड़ें और रचनात्मक, भावनात्मक तथा सामाजिक रूप से उपयोगी सामग्री प्रस्तुत करें। साथ ही, सरकार को डिजिटल प्लेटफार्मों पर वैसा ही नैतिक नियंत्रण लागू करना होगा जैसा टीवी या फिल्मों पर होता है। पारदर्शी नियम, कठोर दंड और स्पष्ट श्रेणीकरण इस दिशा में आवश्यक कदम हो सकते हैं। समाज का कर्तव्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को डिजिटल साक्षरता दी जानी चाहिए। युवाओं को यह समझाया जाना चाहिए कि मनोरंजन और उत्तेजना में बहुत अंतर होता है। फूहड़ता से मिली त्वरित प्रसन्नता जीवन के गहरे अनुभवों और रचनात्मक आनंद का विकल्प नहीं हो सकती। मनोरंजन का उद्देश्य केवल चौंकाना या उत्तेजित करना नहीं है; उसका उद्देश्य मन को संवेदनशील बनाना, सोच को गहराई देना और समाज को बेहतर दिशा देना है। लेकिन जब ऐप्स की दुनिया कला को छोड़कर अश्लीलता की ओर भागने लगे, तब संस्कृति और सभ्यता दोनों संकट में पड़ती हैं। हमारे सामने आज यही प्रश्न हैकृक्या हम ऐसी डिजिटल दुनिया चाहते हैं जहाँ मनोरंजन का आधार रचनात्मकता, सांस्कृतिक मूल्य और सामाजिक ज़िम्मेदारी हो? या हम ऐसे युग में प्रवेश करने जा रहे हैं जहाँ उत्तेजना ही कला बन जाएगी और सनसनी ही मनोरंजन? समय की मांग है कि हम स्पष्ट रूप से कहेंरू हमें मनोरंजन चाहिएकृलेकिन ऐसा नहीं जो समाज को खोखला कर दे। अगर डिजिटल दुनिया इस दिशा में नहीं बदली, तो आने वाली पीढ़ियाँ एक ऐसे सांस्कृतिक अंधकार में प्रवेश करेंगी, जहाँ मनोरंजन तो बहुत होगा, पर उसका कोई अर्थ नहीं बचेगा।

बिहार का जनादेश : एनडीए की सुनामी में ध्वस्त हुआ महागठबंधन

–योगेश कुमार गोयल

बिहार की राजनीति एक बार फिर ऐसे मोड़ पर पहुंची है, जहां मतदाता ने अपनी पसंद को अभूतपूर्व स्पष्टता, दृढ़ता और राजनीतिक परिपक्वता के साथ दर्ज किया है। 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव सामान्य जनादेश नहीं बल्कि एक गहरा राजनीतिक संदेश है, जहां नीतीश कुमार के सुशासन ने अविश्वास को पछाड़ दिया, स्थिरता ने प्रयोगधर्मिता को और सामाजिक सुरक्षा ने जातीय ध्रुवीकरण को दृढ़ता से मात दे दी। बिहार का यह जनादेश बताता है कि बिहार का मतदाता भावनात्मक राजनीति, जातिगत उत्तेजना और चुनावी वादों की चमक–दमक से परे निकल चुका है और वह केवल उसी नेतृत्व को स्वीकार करता है, जो उसके जीवन में वास्तविक बदलाव लाए, सुरक्षा दे, भरोसा कायम रखे और विकास को धरातल पर उतारे। इसी कसौटी पर यह समझना कठिन नहीं कि एनडीए को ऐतिहासिक जीत क्यों मिली और महागठबंधन क्यों धराशायी हो गया। 243 सीटों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 122 है पर चुनाव परिणामों ने स्पष्ट किया कि यह सीमा इस बार महज एक गणितीय संख्या बनकर रह गई। एनडीए बहुमत से कहीं आगे निकल गया जबकि महागठबंधन का प्रदर्शन तमाम पूर्वानुमानों से बहुत नीचे रह गया, जो 50 सीटें भी हासिल नहीं कर सका। तेजस्वी यादव, जो दो वर्षों से स्वयं को मुख्यमंत्री–इन–वेटिंग के रूप में प्रक्षेपित करते रहे, जनता द्वारा स्पष्ट तौर पर नकार दिए गए। यह हार केवल किसी एक नेता की नहीं बल्कि पूरी उस राजनीतिक रणनीति की असफलता है, जो जातीय समीकरणों, लुभावने लेकिन अवास्तविक वादों और सहयोगियों को हाशिये पर रखकर बनाई गई थी। 2020 में महज कुछ हजार वोटों से पीछे रहने वाली आरजेडी को इस बार उम्मीद थी कि वह आसानी से सत्ता के द्वार तक पहुंच जाएगी लेकिन 2025 ने उसका यह सपना ध्वस्त कर दिया। इस चुनाव में महागठबंधन की सबसे बड़ी गलती टिकट वितरण की रणनीति रही। आरजेडी ने 144 सीटों में से 52 यादव उम्मीदवार उतारे, जो कुल टिकटों का लगभग 36 प्रतिशत थे। यह संख्या 2020 के मुकाबले कहीं अधिक थी। तेजस्वी यादव का उद्देश्य भले ही अपने कोर वोट बैंक को मजबूत करना रहा हो लेकिन इसका परिणाम उलटा निकला। यादव बिहार की आबादी का मात्र 14 प्रतिशत हैं जबकि चुनाव का फैसला ईबीसी, महादलित, सवर्ण, युवा, महिलाएं, शहरी एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों पर निर्भर करता है। इतने अधिक यादव प्रत्याशी उतारने से यह संदेश गया कि आरजेडी सत्ता को फिर से एक जाति के हाथों में सौंपना चाहती है। एनडीए ने इसे चुनावी हथियार बनाकर 'यादव राज–भाग 2' का नैरेटिव चलाया, जो शहर से गांव तक गूंजता हुआ जनमत को प्रभावित करता गया। इसके विपरीत उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव ने 2024 में जातिगत संतुलन साधते हुए केवल 5 यादव प्रत्याशी उतारे थे, जिससे व्यापक सामाजिक आधार मिला। तेजस्वी इससे सीख नहीं ले सके और आरजेडी की छवि और भी यादव–केंद्रित बन गई, जिसका सीधा असर 10 से 15 प्रतिशत वोटों के खिसकने के रूप में सामने आया। दूसरी बड़ी गलती गठबंधन प्रबंधन की विफलता रही। महागठबंधन ऊपरी तौर पर भले ही मजबूत दिखता रहा लेकिन भीतर से बिखरा हुआ था। कांग्रेस से सीट–बंटवारे पर तकरार, वाम दलों को कमजोर सीटें देना और सहयोगियों को प्रचार में हाशिये पर रखना, इन सबने गठबंधन में असंतोष पैदा किया। सबसे बड़ा झटका तब लगा, जब महागठबंधन का घोषणापत्र 'तेजस्वी प्रण' के नाम से जारी किया गया। यह कदम साझेदारी की भावना को ठेस पहुंचाता था। कांग्रेस गारंटी मॉडल पर केंद्रित थी, वाम दल मजदूर–किसान मुद्दों को उभार रहे थे लेकिन तेजस्वी केवल नौकरियों के वादे पर टिके रहे। महागठबंधन एक साझा दृष्टि से वंचित रहा और चुनावों में एकजुट चेहरा न बन सका। तेजस्वी की तीसरी चूक उनके वादों के अविश्वसनीय स्वरूप में दिखी। उन्होंने हर घर में नौकरी, पेंशन, शराबबंदी की समीक्षा, महिलाओं की बड़ी आर्थिक मदद जैसे भारी–भरकम वादे तो किए पर उनके क्रियान्वयन, वित्तीय स्रोत या समय सीमा पर कोई विश्वसनीय उत्तर नहीं दे सके। हर मंच से वे कहते रहे कि ब्लूप्रिंट जल्दी आ जाएगा लेकिन चुनाव समाप्त होने तक वह ब्लूप्रिंट नहीं आया। इससे उनकी विश्वसनीयता पर गहरा आघात हुआ, खासकर युवाओं और शहरी मतदाताओं में। महागठबंधन की मुस्लिम परस्त छवि ने नुकसान को और बढ़ाया। मुस्लिम बहुल सीटों पर तो लाभ मिला पर पूरे राज्य में यह छवि प्रतिकूल साबित हुई। वक्फ बिल को लागू न करने की तेजस्वी की घोषणा और कई संवेदनशील बयानों ने यादव समुदाय के एक वर्ग को भी असहज कर दिया। एनडीए ने इसे भुनाया और लालू यादव के संसद में दिए भाषणों को वायरल कर जनमत को प्रभावित किया। गैर–मुस्लिम और गैर–यादव वोटों ने निर्णायक मोड़ पर महागठबंधन को छोड़ दिया। तेजस्वी यादव की सबसे जटिल रणनीतिक गलती उनके पिता लालू प्रसाद यादव को लेकर उनकी दोहरी राजनीति रही। उन्होंने लालू की विरासत का सहारा भी लिया और उससे दूरी भी बनाए रखी। पोस्टरों में पिता की तस्वीर छोटी रखी गई जबकि मंचों पर उनके नाम का राजनीतिक इस्तेमाल किया गया। यह दोहरापन मतदाता को भ्रमित करता रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तेजस्वी पर 'लालू के पाप छिपाने' का आरोप लगाना इस उलझन को और गहरा कर गया। इसके विपरीत एनडीए ठोस काम और प्रामाणिक शासन मॉडल के साथ मैदान में उतरा। नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों में महिला–सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा की जो नींव रखी थी, वही इस चुनाव में निर्णायक बनी। 2006 में शुरू हुई साइकिल योजना, किताब–धन, पोशाक–धन, छात्रवृत्ति, जीविका समूहों का विस्तार, इन सबने महिला मतदाताओं के मन में एक स्थायी भरोसा पैदा किया। 2025 के चुनाव में महिलाओं का मतदान पुरुषों से 9 प्रतिशत अधिक रहा, जो स्पष्ट संकेत था कि महिला मतदाता एनडीए के साथ खड़ी हैं। जीविका समूहों से जुड़ी एक करोड़ से अधिक महिलाओं पर आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभाव सीधा मतदान व्यवहार पर पड़ा। 10,000 रुपये की सहायता और 2 लाख रुपये तक की उद्यम सहायता ने इन्हें राजनीतिक रूप से और भी सक्रिय बनाया। दलित और अति पिछड़ी महिलाओं का समर्थन भी निर्णायक रहा। महागठबंधन की ऊंची–ऊंची घोषणाओं के विपरीत एनडीए की योजनाएं उनके जीवन में ठोस बदलाव ला रही थी, जिससे जातीय ध्रुवीकरण की संभावित रणनीति भी ध्वस्त हो गई। सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा कानून–व्यवस्था का रहा। बिहार 2005 से पहले जिस बदहाल सुरक्षा व्यवस्था से गुजर रहा था, उसे नीतीश कुमार के शासन ने बदल दिया। अपराध में आई गिरावट, सड़क–बिजली में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और रात में भी महिलाओं की सुरक्षित आवाजाही, ये सब बातें बिहार के सामाजिक मानस में गहराई से दर्ज हैं। एनडीए ने इसका चुनावी लाभ उठाया और जनता ने इसे स्वीकार किया। 2025 का चुनाव इस सबसे महत्वपूर्ण सबक को दोहराता है कि लोकतंत्र में सिर्फ मुद्दे नहीं बल्कि नेतृत्व की विश्वसनीयता मायने रखती है। तेजस्वी युवा और ऊर्जावान हैं लेकिन वे अभी उस परिपक्वता, ठोस दृष्टि और स्थिरता वाले नेतृत्व का विकल्प नहीं बन पाए, जिसकी उम्मीद बिहार का मतदाता करता है। आरजेडी का जाति–केंद्रित चुनाव, महागठबंधन की विफल रणनीति और तेजस्वी की नीतियों का धुंधलापन, इन सबने मिलकर परिणाम तय कर दिए। कुल मिलाकर, यह जनादेश केवल एनडीए की जीत नहीं बल्कि बिहार के मतदाता की राजनीतिक परिपक्वता का प्रमाण है। यहां जनता ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह सिर्फ सरकार नहीं, विश्वास चुनती है। वह सिर्फ घोषणाओं से नहीं, स्थिरता और सुशासन से प्रभावित होती है और 2025 में यह विश्वास एक बार फिर नीतीश कुमार पर जा टिका है, जो कठिन परिस्थितियों में भी व्यवस्था को थामे रहने वाले दीर्घदृष्टि वाले नेता साबित हुए हैं। यह परिणाम तेजस्वी की हार नहीं, रणनीति की हार है। यह महागठबंधन का पतन नहीं, एनडीए की मजबूती है और यह चुनाव नहीं, बिहार की परिपक्व लोकतांत्रिक चेतना का प्रमाण है।

लोग कुर्सी का सम्मान करते हैं न कि उस पर बैठे व्यक्ति का

कल रात एक सेवानिवृत्त सरकारी उप–सचिव के साथ भोजन किया और जब हम उनकी सेवा के वर्षों के बारे में बात कर रहे थे तो मैंने उनसे एक ऐसा सवाल पूछने का फैसला किया जिससे कई शक्तिशाली लोग चुप–चाप डरते हैं। मैं आगे झुका और पूछा कि सेवानिवृत्ति के बाद सत्ता न होने का कैसा अनुभव होता है। एक पल के लिए उन्होंने मेरी ओर एक ऐसी दयालुता से देखा जो जीवन को डैस्क के दोनों ओर से देखने से ही आती है। फि र वे हंसे, किसी कड़वाहट या पछतावे से नहीं बल्कि एक ऐसे व्यक्ति की शांत संतुष्टि के साथ जिसने कुछ ऐसा समझ लिया है जो उच्च पदों पर बैठे कई लोग कभी नहीं समझ पाते। उन्होंने मुझे बताया कि जितने साल वे उस सीट पर रहे, उन्होंने हर दिन खुद को याद दिलाया कि लोग सीट का सम्मान करते हैं और उसे प्रणाम करते हैं, न कि उस पर बैठे व्यक्ति का। उन्होंने खुद से यही बात तब कही जब उनके लिए गाडियां रुकीं, जब लोग सभाओं में खड़े हुए, जब उनके घर पर निमंत्रणों की बाढ़ आई और जब उनके फोन की घंटी लगातार बजती रही और आवाजें शहद से भी मीठी लग रही थीं। वे जानते थे कि हर अभिवादन और हर सम्मानपूर्ण इशारा उनके पद के लिए था न कि उनके लिए। और उन्होंने कहा कि इस एक विचार ने सेवानिवृत्ति के बाद उनकी मदद की। जब वे बोल रहे थे, मुझे अहसास हुआ कि उन सरल शब्दों में कितनी बुद्धिमता छिपी है। कल्पना कीजिए कि अगर हमारे शक्तिशाली नेता यह समझ जाते तो हम कितने दुख से बच सकते थे। कल्पना कीजिए कि कितने गुस्से पर काबू पाया जा सकता था और कितने अहंकार अपने सामान्य आकार में सिमट जाते, अगर उन्हें याद रहे कि उन्हें जो सम्मान मिलता है वह सिर्फ उस कुर्सी से उधार लिया गया है जिस पर वे बैठते हैं। कुर्सी का अधिकार होता है। कुर्सी की पहुंच होती है। कुर्सी का महत्व होता है। व्यक्ति बस कुछ देर के लिए उस पर बैठता है। चारों ओर देखिए, आपको हर जगह विपरीत ही दिखाई देगा। सत्ता में बैठे लोग यह मानने लगते हैं कि वे ही सत्ता हैं। उन्हें लगता है कि उन्हें जो सम्मान मिलता है, वह उनकी प्रतिभा, उनके आकर्षण या उनके व्यक्तित्व के कारण है। वे भूल जाते हैं कि अगर कुर्सी छिन जाए, तो भीड़ गर्मियों में बर्फ से भी तेजी से पिघल जाती है। फोन की घंटी बजना बंद हो जाती है। अंतहीन आगंतुक गायब हो जाते हैं। उनके घर के बाहर गेट पर अब चिंतित याचकों की लंबी कतारें नहीं दिखतीं। अचानक वे अकेले हो जाते हैं और सन्नाटा चौंकाने वाला होता है क्योंकि उन्होंने पद को स्नेह समझ लिया था। काश हमारे और भी नेता, अधिकारी और कुर्सीधारी इस सच्चाई को समझते। किसी व्यक्ति की असली पहचान उसके कार्यकाल के आखिरी दिन के बाद शुरू होती है। यही वह क्षण होता है जब आप देखते हैं कि क्या लोग अब भी आपसे मिलने आते हैं, आपकी राय को महत्व देते हैं, गर्मजोशी से आपका स्वागत करते हैं और क्या आपको लगता है कि आपके पास देने के लिए कुछ है। यही वह क्षण होता है जब वह पुरुष या महिला कुर्सी से अलग हो जाता है। जब सेवानिवृत्त उप–सचिव ने अपनी बात समाप्त की तो वे फिर से मुस्कुराए और कहा कि सेवानिवृत्ति के बाद का जीवन शांतिपूर्ण था क्योंकि उन्होंने कभी कुर्सी और व्यक्ति को भ्रमित नहीं किया। इसी समझदारी ने उन्हें निराशा के बजाय गरिमा के साथ विदा होने दिया। और शायद यही सबसे बड़ी ताकत है!

भारत की जनजातीय विरासत और वीरों का उत्सव

–सी.पी.राधाकृष्णन

एक दशक पहले, भारत में आदिवासी शब्द सुनते ही अक्सर अभावों, स्कूलों से वंचित दूर–दराज के गांवों, पानी के लिए मीलों पैदल चलने वाली माताओं और अवसरों की तलाश में जंगल छोडने वाले युवाओं की छवियां उभरती थीं। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, यह कहानी अस्तित्व की कहानी से बदलकर सफलता की कहानी बन गई है। जिसे कभी भारत का 'भूला हुआ सीमांत' माना जाता था, वह अब विकास और गौरव के सबसे जीवंत इंजनों में से एक बन गया है। पहली बार, आदिवासी सशक्तिकरण एक नारा नहीं, बल्कि न्याय, सम्मान और अवसर से प्रेरित एक आंदोलन है। भगवान बिरसा मुंडा द्वारा संचालित उलगुलान आंदोलन यह सिद्ध करता है कि जनजातीय आंदोलन केवल अलग–अलग संग्राम नहीं थे बल्कि औपनिवेशक अत्याचार के विरुद्ध संगठित प्रतिप्रवाह थे। हाशिए से मुख्यधारा तक रू जब प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में पदभार संभाला था तब भारत में आदिवासी विकास एक सीमित ढांचे में संचालित होता था, केवल 4,498 करोड़ रुपए के बजट वाला एक मंत्रालय। पिछले एक दशक में, यह दृष्टिकोण एक राष्ट्रव्यापी मिशन में बदल गया है। आज, 42 मंत्रालय अनुसूचित जनजातियों के लिए विकास कार्य योजना के माध्यम से जनजातीय कल्याण में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं। इस योजना के तहत कुल जनजातीय–केंद्रित व्यय में 5 गुना वृद्धि हुई है जो 2014 में 24,000 करोड़ रुपए से बढ़कर 2024–25 में 1.25 लाख करोड़ रुपए हो गया है। जनजातीय कार्य मंत्रालय का बजट तीन गुना बढ़कर 13,000 करोड़ रुपए हो गया है जो समावेशी विकास के प्रति सरकार की गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान ने भारत की जनजातीय विकास यात्रा में एक नए युग की शुरूआत की है। 79,156 करोड़ रुपए के परिव्यय और 17 मंत्रालयों के संयुक्त प्रयासों से, इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम का लक्ष्य 2029 तक 63,843 जनजातीय–बहुल गांवों और 112 आकांक्षी जिलों को आवास, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कनैक्टिविटी में लंबे समय से चली आ रही कमियों को दूर करना है।केवल एक वर्ष में, इसका प्रभाव जनजातीय गढ़ में दिखाई दे रहा है––4 लाख से अधिक पक्के घर बनकर तैयार हो चुके हैं।–लगभग 700 छात्रावास बनाए जा रहे हैं। –70 मोबाइल चिकित्सा इकाइयां अब दूर–दराज के इलाकों तक पहुंच रही हैं।– 26,500 से अधिक गांवों में पाइप से पेयजल की सुविधा उपलब्ध है जबकि 8,600 से अधिक घरों में बिजली कनैक्शन उपलब्ध हैं।–लगभग 2,200 गांव अब मोबाइल नैटवर्क से जुड़ चुके हैं और 280 से ज्यादा आंगनवाड़ी केंद्र प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और पोषण को बढ़ावा दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की

डबल इंजन सरकार ने जनजातीय समुदाय को उसके अधिकार दिलाने का कार्य किया

लखनऊ ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में जनजातीय समुदाय तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा देश के विकास में अपना योगदान दे रहा है। बिरसा मुण्डा के संघर्ष के दौरान साधन व संसाधन नहीं थे, लेकिन उस समय भी जनजातीय समुदाय भारत की मुख्य धारा के साथ मिलकर स्वाधीनता के लिए संघर्ष कर रहा था। अंग्रेजों ने उन्हें मात्र 25 वर्ष की आयु में रांची की जेल में कैद कर लिया, जहां उनकी दुखद मृत्यु हो गई। उस समय उनके द्वारा दिया गया नारा 'अबुआ दिसुम, अबुआ राज' लोगों के लिए एक प्रेरणा है। धरती आबा बिरसा मुण्डा ने विदेशी राज को इसके माध्यम से नकारने का कार्य किया। जनजातियों के लिए भगवान बिरसा मुण्डा की मांग के समक्ष ब्रिटिश सरकार को झुकना पड़ा तथा जनजातीय समाज को उनका अधिकार देने के लिए मजबूर होना पड़ा। मुख्यमंत्री जी आज जनपद सोनभद्र में धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जयन्ती 'जनजातीय गौरव दिवस' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने भगवान बिरसा मुण्डा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही, जनपद के सर्वांगीण विकास को समर्पित 548 करोड़ रुपये की 432 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया तथा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व चेक वितरित किए। उन्होंने मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला पुलिस कर्मियों के लिए 25 स्कूटी को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया तथा सोनभद्र के पर्यटन पर आधारित पुस्तिका का विमोचन किया। उन्होंने जनजाति विकास पर आधारित प्रदर्शनी में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। कार्यक्रम में प्रदेश में जनजातियों के विकास के लिए सरकार द्वारा किये गए कार्यों तथा सोनभद्र के पर्यटन विकास पर आधारित लघु फिल्म भी दिखायी गयी। मुख्यमंत्री जी ने जनपद के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डबल इंजन सरकार ने जनजातीय समुदाय को उसके अधिकार दिलाने का कार्य किया है। प्रदेश सरकार द्वारा जनजातीय गौरव के संरक्षण के लिए बलरामपुर के इमलिया कोडर में जनजातीय म्यूजियम और छात्रावास की स्थापना की गयी है। शीघ्र ही मिर्जापुर मण्डल में भी म्यूजियम की स्थापना की जाएगी। इससे जनजातीय गौरव की धरोहर सभी के लिए एक प्रेरणा बनेगी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में हमें जनजातीय गौरव दिवस के साथ जुड़ने का अवसर प्राप्त हुआ है। जनपद लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में 22 राज्यों की टीमों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिसमें अरुणाचल प्रदेश हमारा सहभागी राज्य रहा। हमारे जनजातीय समाज ने विरासत के साथ जुड़कर भारत की गौरव गाथा व परम्परा को आगे बढ़ाने का कार्य किया है। सोनभद्र के सलखन फॉसिल्स पार्क में 140 करोड़ वर्ष पुराने जीवाश्म के अवशेष प्राप्त हुए हैं। इसके माध्यम से दुनिया के पर्यटकों को आकर्षित किया जा सकता है। इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर की सूची में सम्मिलित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आध्यात्मिक दृष्टि से जनपद में शिवद्वार, पंचमुखी महादेव, कंटाकोट महादेव, ज्वालामुखी शक्तिपीठ, मुखा फॉल व हाथी नाला आदि जैसे महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल हैं। यहां पर बायो डायवर्सिटी पार्क इत्यादि हैं। उत्तर प्रदेश में पायी जाने वाली 15 जनजातियों में से 14 जनजाति सोनभद्र में मिलती हैं। देश में सबसे अधिक जनजातियां सोनभद्र जनपद में ही निवास करती हैं। इनकी कुल आबादी जनपद सोनभद्र में चार लाख से अधिक है। इन सभी जनजातियों का इतिहास मानवता के इतिहास के साथ जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने 'पी0एम0 जनमन योजना' के अन्तर्गत 'धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान' प्रारम्भ किया है। इस अभियान के तहत उत्तर प्रदेश के 517 जनजातीय ग्रामों में मूलभूत सुविधाओं के साथ उनके समग्र विकास के लिए सरकार कार्य कर रही है। प्रदेश की 11 लाख से अधिक जनजातीय आबादी के मध्य इन कार्यक्रमों को आगे बढ़ाया जा रहा है। इन सभी ग्रामों के सर्वांगीण विकास को दृष्टिगत रखते हुए 'वन अधिकार कानून' में संशोधन के उपरांत जनजातीय समाज के लोगों को पट्टा भी दिया जा रहा है। अब तक 23 हजार से अधिक लोगों को पट्टे आवंटित किये जा चुके हैं, जिससे जनजातीय लोगों को उनकी जमीन का मालिकाना हक प्राप्त हुआ है और किसी भी उत्पीड़न से मुक्ति मिली है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश सरकार भारत सरकार के साथ मिलकर प्रदेश की सभी जनजातियों को सभी प्रकार की योजनाओं से आच्छादित कर रही है। सभी को भूमि का पट्टा, आवास, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, घर में शौचालय, पत्रों को वृद्धावस्था या निराश्रित महिला पेंशन आदि से आच्छादित किया जा रहा है। उनके बच्चों के लिए आंगनबाड़ी व स्कूल की व्यवस्था की जा रही है। उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना और अन्य योजनाओं से अच्छादित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सोनभद्र में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय का निर्माण किया गया है, जिसमें 120 छात्र तथा 120 छात्राएं आधुनिक शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं। अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए विकासखण्ड रॉबर्ट्सगंज में आश्रम पद्धति विद्यालय तथा विकासखण्ड नदवा में आश्रम पद्धति बालिका विद्यालय का निर्माण भी कराया जा रहा है। अनुसूचित जाति व जनजाति की छात्राओं हेतु एक राजकीय छात्रावास का भी निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान में जनपद में चार पंडित दीनदयाल उपाध्याय आश्रम पद्धति विद्यालय संचालित है, जहां आवासीय पठन–पाठन, निःशुल्क पुस्तक, पुस्तकालय, वस्त्र, स्मार्ट क्लासेस आदि की व्यवस्था के माध्यम से जनजातीय छात्र–छात्राओं को आधुनिक शिक्षा की दिशा में आगे बढ़ाया जा रहा है। जनपद सोनभद्र के सभी विकास खण्डो में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इनमें कक्षा 06 से कक्षा 12 तक छात्राएं एक ही परिसर में आवासीय सुविधा के साथ पठन–पाठन कर सकती हैं। अभ्युदय कोचिंग के माध्यम से जनजातीय छात्रों को नीट व आई0आई0टी0 जैसी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि बिरसा मुण्डा के संदेश के अनुरूप जनजातीय समाज को राष्ट्रप्रथम के भाव से जोड़ने के लिए सोनभद्र के जनजातीय युवाओं को टूरिस्ट गाइड के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। सरकार द्वारा जनजातीय समाज के अनुभवी वैद्यां की विशेषज्ञता व उनकी जड़ी बूटी औषधीय को प्रचारित करने का कार्य किया जा रहा है। इससे उनको अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद में विकास की विभिन्न परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का कार्य किया गया है। सोनभद्र प्रदेश की ऊर्जा राजधानी के रूप में जाना जाता है। ओबरा में स्थित उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की इकाई में 1320 मेगावॉट क्षमता का प्लाण्ट लगाया गया है, जिसकी कुल लागत 13 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। इस परियोजना के साथ युवाओं के लिए नौकरी की नई सम्भावनाएं पैदा हुई हैं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जनपद में 3,394 करोड़ रुपये लागत से निर्मित कनहर सिंचाई परियोजना के माध्यम से रॉबर्ट्सगंज, दुद्धी व ओबरा विधानसभा के 108 ग्रामों के 53 हजार से भी अधिक कृषक परिवारों को 35 हजार 467 हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई की सुविधा प्राप्त हुई है। जनजातीय ग्रामों में 'हर घर नल योजना' का अधिकांश कार्य पूर्ण हो चुका है। पूर्ण संतृप्तीकरण के लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राजकीय मेडिकल कॉलेज का निर्माण पूर्ण होने के उपरांत इसमें प्रवेश प्रारम्भ हो गया है। जिला चिकित्सालय की क्षमता बढ़ाकर 500 बेड कर दी गई है। आज निवेशक सोनभद्र की ओर आकर्षित हो रहे हैं। 02 लाख 05 हजार 981 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव जनपद में प्राप्त हुए हैं। इससे हजारों नौजवानों को रोजगार प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सोनभद्र जनपद में ग्रामीण क्षेत्र में 80 हजार 516 तथा शहरी क्षेत्र में 11 हजार 411 प्रधानमंत्री आवास दिए गए हैं। मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 23 हजार 973 परिवारों को लाभान्वित किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 03 लाख 51 हजार 772 परिवारों को शौचालय की सुविधा दी गई है तथा 669 सामुदायिक शौचालयों का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पहले जंगल की लकड़ी या गोबर के उपलों से भोजन बनाने के लिए मजबूर होना पड़ता था। उज्ज्वला योजना के माध्यम से धुएं से मुक्ति मिली है। जनपद में 02 लाख 51 हजार से अधिक निःशुल्क गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं। अब होली व दीपावली पर दो भरे हुए गैस सिलेण्डर मुफ्त दिए जाते हैं। 06 लाख 50 हजार से अधिक आयुष्मान कार्ड अकेले सोनभद्र जनपद में ही बनाए गए हैं। पी0एम0 स्वनिधि योजना के अन्तर्गत 08 हजार से अधिक स्ट्रीट वेण्डरों को लाभान्वित किया गया है। अटल पेंशन योजना में 01 लाख 08 हजार 324, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में 06 लाख 86 हजार 87, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 03 लाख 49 हजार 796 परिवारों को लाभान्वित किया गया है। प्रधानमंत्री जनधन योजना में 08 लाख 30 हजार 570 खाते खोले गए हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना में 01 लाख 38 हजार 393 लाभार्थियों को ऋण दिया गया है। स्वामित्व योजना के अंतर्गत 9 हजार से अधिक लोगों को उनके निवास स्थान पर ही पट्टे उपलब्ध कराए गए हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 02 लाख 35 हजार 573 किसानों को लाभान्वित किया गया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पी0एम0 कुसुम योजना में 02 हजार 646 किसानों को सोलर पैनल उपलब्ध कराए गए हैं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में 08 हजार 324 बेटियों का विवाह कराया गया है। 75 हजार 709 वृद्धजनों, 26 हजार 432 निराश्रित महिलाओं व 11 हजार 17 दिव्यांगों को पेंशन की सुविधा का लाभ जनपद सोनभद्र में दिया गया है। बी0सी0 सखी के माध्यम से लोगों को शासन की योजनाओं के साथ जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम को समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री असीम अरुण व विधान परिषद सदस्य श्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री रवीन्द्र जायसवाल, समाज कल्याण राज्य मंत्री श्री संजीव गोंड सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण व शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

लखनऊ विश्वविद्यालय में चीफ प्रॉक्टर के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को कई छात्र संगठनों ने चीफ प्रॉक्टर के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया। उनका कहना है कि जो छात्र उन्हें मारते, लड़ाई–झगड़ा करते हैं उन्हें विश्वविद्यालय प्रशासन कुछ नहीं बोलता। वहीं जब इसके खिलाफ पीड़ित छात्र आवाज उठाते हैं तो पुलिस आ जाती है। प्रदर्शन करने वालों में बीएपीएसए, एनएसयूआई और समाजवादी छात्र सभा समेत विभिन्न छात्र संगठन शामिल हैं। छात्रों ने नारेबाजी करते हुए टैगोर लाइब्रेरी से चीफ प्रॉक्टर ऑफिस तक विरोध मार्च निकाला। उसके बाद 2 घंटे तक प्रॉक्टर ऑफिस के बाहर बैठकर नारेबाजी हंगामा करते रहे। प्रदर्शनकारी छात्रों ने असिस्टेंट प्रोफेसर पर भी शोध छात्र के साथ मारपीट का आरोप लगाया। इस दौरान छात्रों को विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकारी काफी देर तक समझाते रहे लेकिन वे उठने को तैयार नहीं थे। समाजवादी छात्र सभा के छात्रों ने प्रशासनिक भवन और वीसी ऑफिस घेरकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने इस बात से एतराज जताया कि विश्वविद्यालय में बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रहती है। इन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय कैंपस को भय मुक्त बनाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। मगर कैंपस के अंदर प्रॉक्टर और अन्य प्रोफेसर 20 से 25 पुलिसकर्मियों के साथ भौकाल दिखाते हुए रील बना रहे हैं जिससे छात्रों पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। प्रदर्शन कर रहे एनएसयूआई के सदस्य शुभम ने कहा कि विश्वविद्यालय में जिस तरह का माहौल बनाया जा रहा है यह बेहद शर्मनाक है। प्रॉक्टोरियल टीम छात्रों के साथ मारपीट कर रही है। विश्वविद्यालय कैंपस में चेकिंग के दौरान शोध छात्र को एक असिस्टेंट प्रोफेसर ने थप्पड़ मार दिया। घटना से छात्र बेहद परेशान है और इसका असर दूसरे छात्रों पर भी नकारात्मक रूप से पड़ रहा हम लोग ऐसे छात्र और प्रॉक्टर टीम का विरोध करते हैं जो अनावश्यक छात्रों से मारपीट कर रहे हैं। छात्रों को सुरक्षित महसूस करवाना यह विश्वविद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है। मगर छात्रों को टारगेट करके उनके साथ मारपीट करना गलत है, इसका हम लोग कड़ा विरोध करते हैं। विश्वविद्यालय शिक्षा के मंदिर से अब गुंडागर्दी का अड्डा बन चुका है। असिस्टेंट प्रोफेसर से लेकर प्रॉक्टोरियल बोर्ड तक गुंडई कर रहे हैं। जो आरोपी प्रोफेसर है वह सामने आकर माफी मांगें। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा राहुल पांडेय हिंदी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर हैं। वह पहले भी इस तरह की हरकत कर चुके हैं जिससे तमाम छात्र आक्रोशित हैं। जब तक वह माफी नहीं मांगते, बोर्ड से इस्तीफा नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के शोध छात्र अभिषेक ने कहा असिस्टेंट प्रोफेसर के द्वारा छात्र को थप्पड़ मारना शर्मनाक है। हम लोग वीसी से मिलकर इस घटना के बारे में जानकारी देने आए हैं। हमारी मांग है कि असिस्टेंट प्रोफेसर को प्रॉक्टोरियल बोर्ड से बर्खास्त किया जाए। प्रोफेसर शोध छात्रा से सबके सामने माफी मांगें।

'मोमेंट्ज ने लखनऊ के गोमतीनगर में खोला उत्तर प्रदेश का अपना पहला शोरूम'

संवाददाता

लखनऊ। लक्जरी गिफ्टिंग शोरूम मोमेंट्ज ने लखनऊ के गोमतीनगर में उत्तर प्रदेश का अपना पहला शोरूम खोला। जहाँ प्रीमियम और कस्टम–निर्मित उपहारों की विशेष और अनोखी रेंज उपलब्ध है। देवाश्री इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड के नाम से खुला यह शोरूम 17 अपर ग्राउंड फ्लोर विपुल खंड गोमतीनगर में स्थित है। शोरूम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि मौजूद लखनऊ उत्तर के विधायक माननीय डा. नीरज बोरा ने किया। इस मौके पर मोमेंट्ज के संस्थापक श्री वेरेश कालरा, निदेशक श्री सर्वेश कालरा और देवाश्री इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर श्री देवाँशु बोरा, लखनऊ पेट्रोल डीलर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष श्री सुधीर बोरा, श्री मनीष बोरा, श्री पंकज बोरा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। मोमेंट्ज के संस्थापक श्री वेरेश कालरा ने कहा, मोमेंट्ज में हर उत्पाद एक कुशल कारीगर टीम द्वारा तैयार किया जाता है, जो विचारों और भावनाओं को खूबसूरत कलाकृतियों में बदलते हैं। हर डिजाइन में टिकाऊपन, तकनीक और बारीकी का विशेष ध्यान रखा जाता है, ताकि हर उपहार न केवल सुंदर हो बल्कि भावनात्मक रूप से भी महत्वपूर्ण हो।हमारी विस्तृत रेंज हर अवसर के लिए अद्भुत उपहार प्रस्तुत करती है। जब हमने शादी से जुड़े उपहारों के क्षेत्र में कदम रखा, तो रचनात्मकता और निजीकरण का नया आयाम जुड़ गया। हम प्रीमियम वेडिंग गिफ्टिंग सॉल्यूशंस प्रदान करते हैंकुजैसे विशेष वेडिंग इनविटेशन, कस्टमाइज्ड उपहार और फर्स्ट–कार्ड्सकृजो सौंदर्य, सुविधा और उत्कृष्ट शिल्पकला का अनूठा मेल हैं। जन्मदिन, वर्षगांठ, बेबी शॉवर, गृहप्रवेश जैसे अन्य विशेष अवसरों के लिए भी मोमेंट्ज उत्कृष्ट विकल्प प्रदान करता है। उन्होंने बताया, मोमेंट्ज आज देशभर के चुने हुए ज्वेलर्स और लाइफस्टाइल स्टोर्स के माध्यम से कई शहरों में उपलब्ध है। प्रीमियम उपहारों के लिए एक वन–स्टॉप डेस्टिनेशन के रूप में हमारी पहचान गुणवत्ता, नवाचार और ग्राहक संतुष्टि की अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित है। देवाश्री इनोवेशंस प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर श्री देवाँशु बोरा ने कहा, व्यापक वेडिंग कलेक्शन, जिसे आपकी पसंद के अनुसार पर्सनलाइज किया जा सकता है।

9 साल से लंबित मांगों को जेकर लेखपाल संघ ने किया प्रदर्शन

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के आह्वान पर सरोजनी नगर लेखपाल संघ ने शनिवार को तहसील समाधान दिवस सहित सभी कार्यों का बहिष्कार किया। लेखपालों ने अपनी नौ साल से लंबित मांगों पर शासन द्वारा कोई ठोस पहल न किए जाने के विरोध में तहसील परिसर में धरना–प्रदर्शन किया। संघ की प्रमुख मांगों में राजस्व लेखपाल संवर्ग को तकनीकी संवर्ग घोषित करना, पदनाम बदलकर राजस्व उपनिरीक्षक करना और न्यूनतम शैक्षिक योग्यता स्नातक निर्धारित करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, प्रारंभिक वेतनमान को ग्रेड पे 2800 करने की मांग भी की गई। लेखपालों ने पदोन्नति के अवसर बढ़ाने और हर पांच लेखपालों पर एक राजस्व निरीक्षक का पद सृजित करने की मांग की। उन्होंने चार राजस्व निरीक्षकों के सापेक्ष एक नायब तहसीलदार का पद सृजित करने और इन दोनों पदों पर लेखपालों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने की भी मांग उठाई। नायब तहसीलदार के पद पर 50 प्रतिशत सीधी भर्ती में से 25 प्रतिशत पद लेखपालों के लिए विभागीय परीक्षा के माध्यम से आरक्षित करने की मांग भी की गई। एसीपी विसंगति को दूर करने की मांग भी प्रमुख रही। इसमें प्रथम एसीपी में 10 वर्ष की सेवा पर 2800 ग्रेड पे, द्वितीय में 16 वर्ष पर 4200 ग्रेड पे और 26 वर्ष की सेवा पर 4600 ग्रेड पे प्रदान करने की मांग शामिल है। अन्य मांगों में स्टेशनरी भत्ता 100 रुपए से बढ़ाकर 1000 रुपए और विशेष भत्ता 2500 रुपए करना शामिल है। संगठन ने अंतरमंडलीय स्थानांतरण बहाल करने और 2004 के बाद नियुक्त मृतक आश्रित लेखपालों को पेंशन स्वीकृत करने की भी मांग की। जनसंख्या वृद्धि और शहरीकरण को देखते हुए लेखपालों के पदों में वृद्धि करने, साथ ही राजस्व सहायक और राजस्व चौकी की व्यवस्था लागू करने की मांग भी उठाई गई। इस धरना–प्रदर्शन में संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय पटवारी संघ के अध्यक्ष राम मूरत यादव, जिला उपमंत्री रंजीत वर्मा, तहसील अध्यक्ष सुधीर कुमार शर्मा और मंत्री नीतू यादव सहित कई लेखपाल मौजूद रहे। संगठन ने अपनी आठ सूत्रीय मांगों का एक ज्ञापन सरोजनी नगर एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को भेजा है।

लखनऊ में बिजली विभाग की वर्टिकल हेल्प डेस्क शुरू, प्रबंध निदेशक ने नारियल फोड़ा

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में बिजली विभाग में वर्टिकल व्यवस्था लागू हो गई है। अब शहर 15 लाख ग्राहकों को अगर कोई परेशानी होती है तो वह सीधे 1912 नंबर पर शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए शहर को जोन वाइज बांटकर हेल्प डेस्क शुरू कर दी गई हैं। हेल्प डेस्क ने हर जोन के लिए काम करना शुरू कर दिया है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल ने सेंट्रल कार्यालय के बाहर नारियल फोड़कर हेल्प डेस्क शुरू कर दी। उपभोक्ताओं को नई व्यवस्था में भी किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए चीफ इंजीनियर से लेकर ग्राउंड लेवल तक अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश हैं। मध्य जोन के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल का कहना है कि 6 अस्थायी हेल्प डेस्क के अलावा 10 अस्थायी हेल्प डेस्क और खोली जा रही हैं। हेल्प डेस्क पर शिकायत करने पर ग्राहक को बताया जाएगा कि पहले टोल फ्री नंबर 1912 पर भी शिकायत दर्ज कर दें। इसका उद्देश्य है कि हर शिकायत की मॉनिटरिंग हो सके। इसीलिए 1912 पर पूरा ध्यान देने की बात प्रबंध कर रहा है। यह हेल्प डेस्क बिजली विभाग के कार्यालय के टाइम टेबल के अनुसार काम करेगी। फॉल्ट ठीक करने के लिए उस पाली में तैनात गैंग या कार्यदायी संस्था को काम आवंटित करेंगे। नामित मरम्मत गैंग शट डाउन लेकर काम पूरा करने के बाद बिजली लाइन चालू करेंगे। फेस लेस कार्य प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए उपभोक्ता को ऑफिस नहीं बुलाया जाएगा। किसी भी डॉक्यूमेंट की जरूरत होगी तो उपभोक्ता से ई–मेल, वॉट्सऐप, उपभोक्ता एप और उपभोक्ता सहायक केंद्र और मध्यांचल के चौट बॉक्स 8010924203 के माध्यम से लिए जाएंगे। मुख्य अभियंता लखनऊ मध्य रवि कुमार ने बताया किसी भी प्रकार के बिल संशोधन के लिए उपभोक्ता 1912 पर शिकायत दर्ज कराएं। यदि ऑनलाइन शिकायत न कर सकें तो नजदीकी हेल्प डेस्क पर जाएं। हेल्प डेस्क शिकायत को 1912 पर दर्ज कर देगा और पंजीकरण नंबर उपलब्ध कराएगा। बिल सही होने पर लिंक के माध्यम से उपभोक्ता को संशोधन का मेमो मिलेगा, जिससे वह खुद नया बिल देख और सत्यापित कर सकेंगे। शिकायत दर्ज कराने के विकल्प रहेगा। मध्यांचल निगम के निदेशक (वाणिज्य) योगेश कुमार के अनुसार, अधीक्षण अभियंता (वाणिज्य) नए कनेक्शन, बिलिंग, वसूली और उपभोक्ता सेवाओं के प्रभारी होंगे। अधीक्षण अभियंता (तकनीकी) निर्बाध बिजली आपूर्ति, 440 वोल्ट, 11 केवी और 33 केवी लाइनों के फॉल्ट सुधार और ई–लाइन निर्माण के जिम्मेदार होंगे। दोनों विंग में अधिशासी, सहायक और अवर अभियंता सहयोग करेंगे, जबकि शीर्ष पर मुख्य अभियंता होंगे।

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, 2 बाइक सहित गृहस्थी का सारा सामान राख

संवाददाता

लखनऊ। नगराम थाना क्षेत्र के बलसिंहखेड़ा गांव में एक किसान के घर में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। इस घटना में घर में रखा दो बाइकों सहित गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया। परिवार के सदस्यों ने घर से बाहर भागकर अपनी जान बचाई। जानकारी के अनुसार, किसान राममिलन अपनी पत्नी शीला वर्मा, माता चंपावती, एक बेटी और एक बेटे के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि शुक्रवार रात वे खाना खाकर सो गए थे। शनिवार सुबह करीब चार बजे घर के बाहर वाले कमरे में बिजली के बोर्ड में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। बाहर सो रही मां चंपावती ने आग देखकर आवाज लगाई, जिसके बाद घर के सभी सदस्य किसी तरह बाहर निकलने में सफल रहे। ग्रामीणों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। पीड़ित राममिलन के मुताबिक, आग में टीवी, प्रिंटर मशीन, इलेक्ट्रॉनिक स्कूटी, एक बाइक, अनाज और कपड़े सहित अन्य घरेलू सामान जलकर खाक हो गया।

संक्षिप्त

ट्रेन की टक्कर से युवक की मौत, नहीं सुनाई दिया हॉर्न

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर विस्तार में ड्यूटी पर निकले युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। युवक कान में ईयर फोन लगाकर क्रासिंग पार कर रहा था। जिसकी वजह से ट्रेन के हार्न की आवाज नहीं सुनाई दी और उसकी चपेट में आ गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है।कोलवा भनौरा माल निवासी अखिलेश (18) पुत्र छोटे लाल गोमती नगर विस्तार में खरगापुर क्रासिंग के पास झोपड़ पट्टी में रहता था। घरों में साफ सफाई का काम करता था। शनिवार सुबह करीब 8 बजे काम पर निकला था। खरगापुर रेलवे क्रासिंग पार करते समय ट्रेन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। वहां मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

लखनऊ -कानपुर एलिवेटेड रोड पर क्रेन पलटी, फ्लाईओवर से लटकी, बड़ा हादसा टला

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के सरोजनी नगर क्षेत्र में लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेसवे एलिवेटेड रोड पर शनिवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। एलईडी स्क्रीन लगाने के दौरान क्रेन असंतुलित होकर पलट गई। गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। यह घटना सरोजनी नगर के हाइडिल नहर चौराहे के पास सुबह करीब 9 बजे हुई। एक्सप्रेसवे की कार्यदायी कंपनी पीएनसी के कर्मी भारी एलईडी स्क्रीन और लोहे के एंगलयुक्त गेट को क्रेन की मदद से लगवा रहे थे। कार्य के दौरान अचानक क्रेन असंतुलित होकर एलईडी स्क्रीन समेत पलट गई। हादसे के समय एलिवेटेड रोड पर कई मजदूर मौजूद थे, लेकिन सौभाग्य से किसी को चोट नहीं आई। क्रेन के पलटते ही मौके पर अफरा–तफरी मच गई। यदि उस समय कानपुर रोड पर यातायात चालू होता, तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। घटना से पहले ही एक्सप्रेसवे के ऊपर एलईडी स्क्रीन लगाए जाने के कारण कानपुर से लखनऊ की ओर आने वाली पटरी का यातायात रोक दिया गया था, जिससे किसी राहगीर या वाहन को नुकसान नहीं हुआ। क्रेन और एलईडी स्क्रीन के गिरने से एलिवेटेड रोड की कंक्रीट रेलिंग का एक बड़ा हिस्सा टूटकर नीचे कानपुर रोड पर आ गिरा, जिससे आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। रेलिंग का कुछ हिस्सा एक्सप्रेसवे से बाहर लटक गया था। हादसे के तुरंत बाद, पलटी हुई क्रेन को हटाने और कानपुर रोड पर गिरे मलबे को साफ करने के लिए दूसरी क्रेन मंगाई गई।

एनटीपीसी सिंगरौली हरित विकास, तकनीकी उत्कृष्टता और सामाजिक सरोकारों की नई मिसाल

बीएनई

सिंगरौली। एनटीपीसी सिंगरौली परियोजना में 14 एवं 15 नवंबर 2025 को एनटीपीसी लिमिटेड के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (उत्तर) गौतम देब का दो दिवसीय दौरा परियोजना के तकनीकी, सामाजिक और मानवीय पहलुओं के समग्र विकास का प्रमाण बना। उनके साथ उत्तरा क्लब, लखनऊ की अध्यक्षा बिपाशा देब भी उपस्थित रहीं, जिनके आगमन से पूरे परिसर में उत्साह, गरिमा और सादगी का अद्भुत संगम दिखाई दिया। दौरे के प्रथम दिवस देब ने परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संयंत्र परिसर का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्टेज–3 क्षेत्र, चिमनी शेल कास्टिंग का उद्घाटन, यूनिट 1–6 के नियंत्रण कक्ष तथा एफजीडी क्षेत्र जैसी महत्वपूर्ण इकाइयों का गहन अवलोकन किया और उनकी प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने बीएचईएल एवं परियोजना अधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न परियोजनात्मक मुद्दों, चुनौतियों और भावी रणनीतियों पर सार्थक चर्चा की। इसके उपरांत एसएमसी सदस्यों तथा यूनियन एवं एसोसिएशन प्रतिनिधियों से संवाद के दौरान उन्होंने सहभागितापूर्ण विकास की एनटीपीसी परंपरा को रेखांकित किया। दूसरे दिन की शुरुआत गौतम देब और बिपाशा देब द्वारा जरूरतमंद परिवारों को कंबल वितरण से हुई, जिससे सामाजिक सरोकारों के प्रति एनटीपीसी की संवेदनशीलता का संदेश गया। देब द्वारा एफजीडी क्षेत्र में यूनिट–6 के ट्रायल ऑपरेशन का शुभारंभ किया और स्टेज–II नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया। युवा अधिकारियों, कार्यकारी संघ एवं यूनियन प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठकों में उन्होंने उनकी आकांक्षाओं, चुनौतियों एवं सुझावों को गंभीरता से सुना और उन्हें सकारात्मक सहयोग का भरोसा दिया। देब एवं देब द्वारा वृक्षारोपण कर हरित ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण के प्रति एनटीपीसी की प्रतिबद्धता

को पुनः रेखांकित किया गया। गौतम देब ने कहा कि सिंगरौली परियोजना एनटीपीसी के गौरवशाली इतिहास का महत्वपूर्ण स्तंभ है। यहाँ की टीम ने चुनौतियों को अवसर में बदलकर जिस समर्पण और उत्कृष्टता का परिचय दिया है, वह प्रशंसनीय है। मुझे प्रसन्नता है कि तकनीकी प्रगति के साथ–साथ सामाजिक उत्तरदायित्व और पर्यावरण संरक्षण को भी समान महत्व दिया जा रहा है। मैं सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, यूनियन/एसोसिएशन एवं वनिता समाज के प्रयासों को हार्दिक बधाई देता हूँ और विश्वास करता हूँ कि सिंगरौली आने वाले वर्षों में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करेगा।" बिपाशा देब ने वनिता समाज, शक्तिनगर द्वारा संचालित वनिता रसोई, वात्सल्य क्रेच, टाइनी टॉट्स, बाल भवन तथा वेलफेयर शॉप का अवलोकन कर उनकी सेवाओं की सराहना की और वेलफेयर की महिलाओं का सम्मान किया। उन्होंने बाल दिवस समारोह में बच्चों के साथ सहभागिता की और महिलाओं के सामाजिक–सांस्कृतिक सशक्तिकरण पर सार्थक विचार–विमर्श किया। उनकी उपस्थिति ने पूरे कार्यक्रम को ऊष्मा, सौहार्द और प्रेरणा से भर दिया। अतिथियों के सम्मान में आयोजित सांस्कृतिक संध्या में परियोजना के वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों एवं परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कला, संगीत और परंपरा के इस खुशनुमा वातावरण ने समूचे आयोजन को अविस्मरणीय बना दिया। संदीप नायक, कार्यकारी निदेशक एवं प्रज्ञा नायक, अध्यक्षा वनिता समाज एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में यह दौरा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

अकेशिया पब्लिक स्कूल ने वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया

सर्वश्रेष्ठ खिलाडी का ख़िताब कक्षा 11वीं के अंशुल रावत के नाम रहा

बीएनई

देहरादून। अकेशिया पब्लिक स्कूल में शनिवार को वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ विद्यालय के चेयरमैन मनमीत सिंह ढिल्लों द्वारा मशाल जलाकर किया गया। जिसके उपरांत मार्च पास किया गया। बैडमिंटन में जूनियर पुरुष वर्ग से आदित्य बहुगुणा महिला वर्ग से आराध्य नेगी सीनियर पुरुष वर्ग में अंश नेगी कक्षा 11, महिला वर्ग में नवोदिता यादव कक्षा 11 विजयी रही। टेबल टेनिस जूनियर पुरुष वर्ग में शिरीष कुंद्रा कक्षा 8 व सीनियर में पुरुष वर्ग में अंशुल रावत कक्षा 11, महिला सीनियर टेबल टेनिस में अंजलि रावत विजय रहे। डिस्कस थ्रो पुरुष वर्ग में अंशुल रावत कक्षा 11, महिला वर्ग में इशिता कश्यप कक्षा 11, जेवलिन पुरुष वर्ग में अंकुश भंडारी कक्षा 9 महिला वर्ग में इशिता कश्यप कक्षा 11, विजयी रहे। बास्केट बॉल व टग ऑफ़ वार में रमन हाउस तथा बाली वाल में टैगोर हाउस विजयी रहे, सर्वश्रेष्ठ खिलाडी का ख़िताब अंशुल रावत कक्षा 11 के नाम रहा। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ किया गया, इस अवसर पर डायरेक्टर रुपिंदर कौर, रमनदीप कौर, जशनदीप सिंह ढिल्लों, प्रिंसिपल पूजा मारिया, वाईस प्रिंसिपल ममता रावत, पीटीआई देवराज थापा, हिमांशु रावत व् सभी शिक्षकगण उपस्तिथ रहे।

ग्रासिम द्वारा किया गया बाल मेला का आयोजन

बीएनई

रेणुकूट–सोनभद्र। ग्रासिम इण्डस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट के ईकाई प्रमुख मनीष गर्ग, एवं मानव संसाधन प्रमुख राजीव दुबे के मार्ग दर्शन में संचालित CSR कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान के CSR विभाग द्वारा अंगीकृत विद्यालय शिक्षा निकेतन गोविंदपुर आश्रम में चिल्ड्रेन्स डे के शुभ अवसर पर बाल मेला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ग्रासिम इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, रेणुकूट के ईकाई प्रमुख मनीष गर्ग एवं विशिष्ठ अतिथि मानव संसाधन प्रमुख राजीव दुबे एवं पर्यावरण प्रमुख विनय यादव के संयुक्त प्रयास द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष 14 नवम्बर को पंडित जवाहर लाल नेहरु के जन्म दिवस को बाल दिवस के रुप में मनाया जाता है जिसके अवसर पर ग्रासिम इण्डस्ट्रीज लिमिटेड रेणुकूट एवं उक्त विद्यालय के बच्चों ने स्वयं के बनाये हुए खिलौने, मिठाइयाँ, चाट, फुल्की, पकौड़े आदि की दुकानों का संचालन कर अपनी सृजनशीलता और हुनर का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों द्वरा सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत कर उपस्थित अतिथियों और दर्शकों को प्रभावित किया। विद्यालय को संस्थान के तरफ से बेंच डेस्क भी दिया गया तथा ग्रासिम इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, रेणुकूट के ईकाई प्रमुख मनीष गर्ग एवं विशिष्ठ अतिथि मानव संसाधन प्रमुख राजीव दुबे, पर्यावरण प्रमुख विनय यादव, एस एच आर ज्योत्सना सिंह एंव सी एस आर प्रमुख चाँदनी निर्मल, अर्चना तिवारी, आदि लोगों के संयुक्त प्रयास द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में उक्त विद्यालयों के प्रबंधकगण, प्रधानाचार्य, अध्यापकगण के अलावा अनेकों छात्र–छात्रायें एवं अभिभावकगण आदि लोगों की अहम भूमिका रही जिसके लिये संस्थान के ग्रामीण विकास अधिकारी द्वारा सभी की मंगलकामनाओं सहित धन्यवाद दिया गया।

जीएसटी में पंजीकृत व्यापारियों का व्यापारी आयुष्मान कार्ड बनवाय सरकार : राज शर्मा

संगठन ने सौरिख नगर कमेटी की घोषित

बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश के जिला अध्यक्ष राज शर्मा ने लक्ष्मी गेस्ट हाउस, सौरिख में नगर कमेटी के गठन के दौरान प्रदेश सरकार से पंजीकृत व्यापारियों का विशेष ध्यान रखने की मांग की जिला अध्यक्ष ने कहा सरकार द्वारा स्ट्रीट बेंडरों को नगर पालिका एवं प्रदेश सरकार की अन्य योजनाओं से लाभ दिया जा रहा है जो उनके व्यापारी हित में है इसके लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देकर सरकार की सराहना की जिला अध्यक्ष राज शर्मा को जिला मंत्री सौरिख– शशिकांत गुप्ता एवं नवनिर्वाचित पदाधिकारीयो ने 31 किलो की माला और नगर अध्यक्ष पिंकू वर्मा के द्वारा जिला अध्यक्ष को चांदी के स्मृति चिन्ह सहित एवं जिले से आए हुए जिला कमेटी के सदस्यों को अंग वस्त्र एवं फूल मालाओं और बिहारी जी की फोटो फ्रेम देकर जिला कमेटी एवं छिबरामऊ और गुरसहायगंज से आए हुए आमंत्रित सदस्यों का भव्य स्वागत किया गया। लक्ष्मी गेस्ट हाउस अलीपुर रोड सौरिख मे नगर कमेटी का गठन किया गया, जिसमें प्रमोद वर्मा उर्फ पिंकू को नगर अध्यक्ष, नगर महामंत्री– अजय शर्मा, हाशिम अली, नगर संरक्षक – सुरेश शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष– अवधेश वर्मा, अनिल पाल, सुनील अग्निहोत्री, साहिल उर्फ राजा, नगर उपाध्यक्ष– राहुल गुप्ता, शिवम चौरसिया, धर्मेंद्र वर्मा, राजा चौरसिया, नगर मंत्री– सुबोध शाक्य, नगर संगठन मंत्री —अवधेश राजपूत, सह संगठन मंत्री– सौरभ पाल, सुमित गुप्ता, नगर मीडिया प्रभारी –गौरव शर्मा, नगर कार्य समिति सदस्य– नूर आलम एवं युवा नगर अध्यक्ष आशीष पाल, सहित अन्य पदाधिकारीयो की घोषणा की और नवनिर्वाचित सदस्यों को जिला अध्यक्ष द्वारा फूल मालाओं, अंग वस्त्र एवं प्रमाण पत्र देकर व्यापारी हितों में कार्य करने के लिए कहा और नवनिर्वाचित नगर कमेटी एवं युवा नगर अध्यक्ष से जिला अध्यक्ष राज शर्मा ने जल्द ही नगर कमेटी एवं युवा नगर कमेटी का विस्तार करने का निर्देश दिया वहीं सौरिख में किराना व्यापारी छोटेलाल गुप्ता के आकस्मिक निधन पर सदन में शोक सभा कर दिवंगत व्यापारी को सभी के द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई / कन्नौज से जिला महामंत्री नीरज मिश्रा, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष आनंद तिवारी, जिला मंत्री संजीव पांडे, सौरिख जिला मंत्री–रू शशिकांत गुप्ता, जिला कार्य समिति सदस्य सुरेंद्र सिंह, समाजसेवी सौरिख सेओमी चतुर्वेदी, आसिफ अली, छिबरामऊ नगर प्रभारी– आशु तिवारी, धर्मेंद्र सविता, निशांत दिक्षित, निखिल मिश्रा, संदीप कौशल, गोविंद तिवारी, करण वर्मा, रवि सहित अन्य व्यापारी नेता मौजूद रहे कार्यक्रम के समापन पर नवनिर्वाचित पिंकू वर्मा एवं जिला मंत्री शशिकांत गुप्ता के द्वारा आए हुए सभी व्यापारियों एवं नवनिर्वाचित सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया कार्यक्रम का संचालन विग्नेश चंद्र वर्मा जी के द्वारा किया गया।

संक्षिप्त

राजस्थान को मिले नए मुख्य सचिव, ब्यूरोक्रेसी में तीसरी बड़ी नियुक्ति दिल्ली से

एजेंसी

जयपुर। वी. श्रीनिवास राजस्थान के नए मुख्य सचिव बनने जा रहे हैं। क्व्ज् ने उनके रिलीव होने के आदेश जारी कर दिए हैं, जिसके बाद राज्य सरकार अब कभी भी उनकी नियुक्ति का आदेश जारी कर सकती है।राज्य सरकार के प्रस्ताव पर केंद्र ने सहमति देते हुए उन्हें समय से पहले राजस्थान के लिए कार्यमुक्त किया है। उम्मीद है कि वी. श्रीनिवास सोमवार तक या उससे पहले ही कार्यभार संभाल लेंगे। गौरतलब है कि मौजूदा भजनलाल शर्मा सरकार में राजस्थान की अफरशाही में यह तीसरी बड़ी नियुक्ति है जिसमें अफसर को दिल्ली से राजस्थान भेजा गया है। सबसे पहले मौजूदा मुख्य सचिव सुधांश पंत को दिल्ली से जयपुर भेजा गया था। राजस्थान के मुख्य सचिव बनने से पहले पंत दिल्ली में स्वास्थ्य विभाग में सचिव के पद पर तैनात थे। हालांकि पंत की सेवानिवृत्ति होने में अभी करीब 14 महीने का समय शेष है लेकिन राजस्थान में वे अपने मौजूदा हालातों से खुश नहीं थे इसलिए पिछले कई महीनों से उनके दिल्ली वापस जाने की चर्चाएं थीं। पंत को दिल्ली में सामाज कल्याण विभाग में सचिव पद पर नियुक्ति दी जा रही है। राजस्थान में दूसरी अहम नियुक्ति पुलिस महकमें में डीजीपी की रही। राजस्थान के मौजूदा डीजीपी राजीव शर्मा भी दिल्ली से राजस्थान भेज गए। राजीव शर्मा राजस्थान आने से पहले दिल्ली में डायरेक्टर, ब्यूरो ऑफ पुलिस डवलपमेंट रिसर्च विभाग में थे।

महिला महाविद्यालय में बिरसा मुंडा की जयंती पर कार्यक्रम, निबन्ध प्रतियोगिता

बृजेश चतुर्वेदी

कन्नौज। राजकीय महिला महाविद्यालय बांगर कन्नौज में प्राचार्य रीतू सिंह के निर्देशन में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष एवं 5वें जनजातीय गौरव दिवस के उपलक्ष्य में 1 नवंबर से 15 नवंबर तक विविध कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस पखवाड़े भर चलने वाली गतिविधियों का उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा के अद्वितीय योगदान, संघर्ष एवं जनकल्याण के प्रति समर्पण को जन जन तक पहुंचाना है। जनजाति गौरव वर्ष के अंतर्गत आज महाविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम साथ ही उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए प्राचार्य ने कहा कि इस जयंती का मुख्य उद्देश्य जनजातीय समुदायों के समृद्ध इतिहास, संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाना है। एक धार्मिक और सामाजिक सुधारक के रूप में, उन्होंने जनजातीय समाज को कुरीतियों से मुक्त करने और उनमें एकता की भावना भरने का काम किया। कार्यक्रम संयोजक डॉक्टर नेहा मिश्रा द्वारा इस पखवाड़े भर महाविद्यालय में हुए समस्त कार्यों की आख्या प्रस्तुत की गई जिसमें उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा एवं आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, साथ ही उनके सम्मान में एक विशेष सभा का आयोजन किया गया, अन्य कार्यक्रमों के दौरान भगवान बिरसा मुंडा एवं आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित डॉक्युमेंट्री का डिजिटल माध्यम से छात्राओं के समक्ष प्रदर्शन किया गया, उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व एवं जनजाति जीवन शैली, परंपराओं आदि विषय पर गोष्ठी का आयोजन किया गया, इसी श्रृंखला में भगवान बिरसा मुंडा एवं आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित कहानी, कविता एवं विचार प्रस्तुतीकरण का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया जिससे महाविद्यालय की समस्त छात्राएं लाभान्वित हुई। प्राचार्य द्वारा समस्त कार्यों की सराहना की गई और छात्राओं को सदैव इस प्रकार की गतिविधियों में भाग लेने हेतु प्रेरित किया गया। महाविद्यालय से अंबरीन फातिमा, डॉ नेहा मिश्रा, अजीत कुमार सिंह एवं किरण ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

सभी टीमें जारी करेंगी रिटेन-रिलीज किए गए खिलाड़ियों की सूची, कौन रहेगा बरकरार और किसका छूटेगा साथ

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के सत्र के लिए सभी 10 टीमों ने कमर कस ली है और इससे पहले होने वाली मिनी नीलामी से पहले सभी फ्रेंचाइजी को रिटेन या रिलीज किए गए खिलाड़ियों की सूची सौंपनी होगी। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने ये सूची जारी करने की अंतिम तिथि 15 नवंबर रखी है। आईपीएल 2026 के लिए होने वाली नीलामी 16 दिसंबर को अबु धाबी में होने की उम्मीद है। नीलामी से पहले सभी फ्रेंचाइजी कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। टीमें कितने खिलाड़ियों को कर सकती हैं रिटेन? पिछले साल हुए मेगा नीलामी के उलट फ्रेंचाइजी जितने चाहे खिलाड़ियों को रिटेन या रिलीज कर सकती हैं। टीमें अपनी इच्छानुसार अपनी टीम में बदलाव करने के लिए स्वतंत्र हैं। हालांकि, प्रत्येक फ्रेंचाइजी को 120 करोड़ रुपये के पर्स की सीमा का ध्यान रखना होगा। प्रत्येक टीम अधिकतम 25 खिलाड़ियों को ले सकती है, जिसमें अधिकतम आठ विदेशी खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं। क्या हैं आईपीएल के ट्रेड नियम टीमें अन्य फ्रेंचाइजी के साथ खिलाड़ियों ट्रेड भी कर सकती हैं। ऐसे मामलों में जहां अलग–अलग मूल्य के खिलाड़ियों ट्रेड किया जाता है, उस स्थिति में उच्च मूल्य वाले खिलाड़ी को लेने वाली फ्रेंचाइजी को शेष राशि का भुगतान करना होता है। खिलाड़ियों को कैश डील से भी ट्रेड किया जा सकता है जहां खिलाड़ी को एक्सचेंज फीस के भुगतान पर ट्रेड किया जा सकता है। कब तक खुला रहेगा ट्रेड विंडो आईपीएल के नियमनुसार सीजन समाप्त होने के तुरंत बाद ट्रेड विंडो खुल जाता है और नीलामी के एक सप्ताह पहले तक टीमें ट्रेड कर सकती हैं। नीलामी के बाद ट्रेड विंडो आईपीएल सीजन शुरू होने के एक महीने पहले तक दोबारा खुली रहती है। हालांकि, मिनी नीलामी में खरीदे गए खिलाड़ियों को टीमें ट्रेड नहीं कर सकती हैं। आईपीएल 2026 के लिए ये खिलाड़ी हो चुके हैं ट्रेड मुंबई इंडियंस ने शार्दुल ठाकुर को लखनऊ सुपर जाएंट्स से दो करोड़ रुपये में ट्रेड किया है। मुंबई इंडियंस ने ऑलराउंडर शेरफाने रदरफोर्ड को गुजरात टाइटंस से 2.6 करोड़ रुपये में ट्रेड किया है। कॉनवे ने छोड़ा सीएसके का साथ डेवोन कॉनवे और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की राहें जुदा हो चुकी हैं। सीएसके ने हालांकि, आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है, लेकिन कॉनवे ने इसकी पुष्टि कर दी है। सीएसके ने कॉनवे को 6.25 करोड़ रुपये में खरीदा था। ये खिलाड़ी हो सकते हैं ट्रेड सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का लखनऊ सुपर जाएंट्स में जाना लगभग तय माना जा रहा है। सीएसके के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा राजस्थान रॉयल्स में शामिल हो सकते हैं। सीएसके के सैम करेन राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते नजर आ सकते हैं। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन का सीएसके में जाना तय माना जा रहा है।

'शरीर और दिमाग के लिए दिन में आठ घंटे काम करना काफी', दीपिका बोलीं- मां बनने के बाद बदलीं कई चीजें

एजेंसी

अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के आठ घंटे काम की मांग करने के बाद इंडस्ट्री में एक बहस लगातार छिड़ी है। हालांकि, इसके बाद दीपिका के हाथ से 'स्पिरिट' और 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल जैसी बड़ी फिल्में भी चली गईं। लेकिन दीपिका अपनी अपनी मांग पर कायम हैं और उन्हें इंडस्ट्री के भी कई लोगों का समर्थन मिला है। दीपिका

ने ये फैसला अपनी बेटी दुआ के होने के बाद लिया है। जरूरत से ज्यादा काम करने को हमने सामान्य बना दिया दीपिका का कहना है कि नई मांओं को काम पर लौटने के लिए सहयोग की जरूरत होती है। इसी वजह से उन्होंने ऐसा फैसला लिया है। हार्पर बाजार इंडिया के साथ बातचीत में अपने रुख को स्पष्ट करते हुए दीपिका ने कहा कि हमने जरूरत से ज्यादा काम करना सामान्य मान लिया है। हम थकान को प्रतिबद्धता समझने की भूल करते हैं। इंसान के शरीर और दिमाग के लिए दिन में आठ घंटे काम करना काफी है। मैं इसी पर ध्यान केंद्रित करना चाहती हूं। सिर्फ स्वस्थ रहने पर ही आप अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकते हैं। एक थके हुए व्यक्ति को वापस काम पर लाने से किसी को कोई फायदा नहीं होता। मेरे अपने ऑफिस में हम सोमवार से शुक्रवार तक दिन में आठ घंटे काम करते हैं। हमारे यहां मैटरनिटी और पेटरनिटी को लेकर नीतियां हैं। हमें बच्चों को काम पर लाना सामान्य बनाना चाहिए। मां बनने के बाद बदलीं प्राथमिकताएं बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने बताया कि कैसे मां बनने के बाद उनकी प्राथमिकता बदल गई हैं। उन्होंने कहा कि आज मेरे लिए सफलता शारीरिक और इमोशनल रूप से फिट रहना है। समय हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। मैं इसे कैसे खर्च करती हूं, किसके साथ खर्च करती हूं। यह तय करने की आजादी होना ही मेरे लिए सबसे बड़ी सफलता है। 'किंग' में शाहरुख के साथ नजर आएंगी दीपिका वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'किंग' की शूटिंग कर रही हैं। इस फिल्म में वो शाहरुख खान के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास एटली और अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म भी है। यह एक बड़े बजट की फिल्म है। फिल्म को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **धर्मेन्द्र सिंह** द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित तथा एमआईजी-47, सेक्टर-ई, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक-अंजू सिंह (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) Email-lkojunction@gmail.com. RNI NO.-UPHIN/2015/64743